RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com शुक्रवार , 10 जुलाई 2026 वर्ष: 04, अंक: 110 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर की गूंज सुनी: पीएम मोदी

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने व्यापार, परमाणु ऊर्जा और रक्षा सहयोग को नई गति देने का संकल्प लिया: पीएम मोदी

मेलबर्न/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों तीन दिवसीय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। उन्होंने गुरुवार को मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस मेगा शो में 30 हजार भारतीय शामिल हुए। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर का एक बार फिर जिक्र किया है। पीएम ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों पर हुए धमाकों की गूंज पूरी दुनिया ने सुनी।

पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर की गूंज सुनी- पीएम

भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान डेमो तो देख ही लिया होगा, धमाके पड़ोसियों पर हो रहे थे और गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही थी। आतंकी कैंप पर इस कड़े प्रहार से आपको गर्व हुआ कि नहीं हुआ? भारत इतने पर ही रुकना नहीं चाहता, भारत कह रहा है ग्रो मोर, ग्रो मोर।

'भारतीय ऐसे ही हैं जैसे दूध में चीनी मिल जाती है'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "हम भारतीय ऐसे ही हैं जैसे दूध में चीनी मिल जाती है और उसे और भी मीठा कर देती है। वैसे ही, हम भारतीय दुनिया भर में अपने प्रेम का रंग घोलते रहते हैं। घर में दूध तो ऑस्ट्रेलिया वाला आता है, लेकिन चाय भारत वाली बनती है..." उन्होंने कहा, "आपने सुना होगा कि भारत में आजकल 'भजन क्लबिंग' का नया ट्रेंड चल रहा है। यहां ऑस्ट्रेलिया में भी, मैंने सुना है कि आपके वीकेंड भी आस्था और आध्यात्म से भरा रहता है।

कहीं किसी के घर भगवान सत्यनारायण की कथा, तो कहीं गुरुद्वारे में अरदास, कहीं बच्चे द्वारा भांगड़ा, कहीं भरतनाट्यम की प्रस्तुति या कहीं कोई क्रिकेट टूर्नामें ट चल रहा होता है।

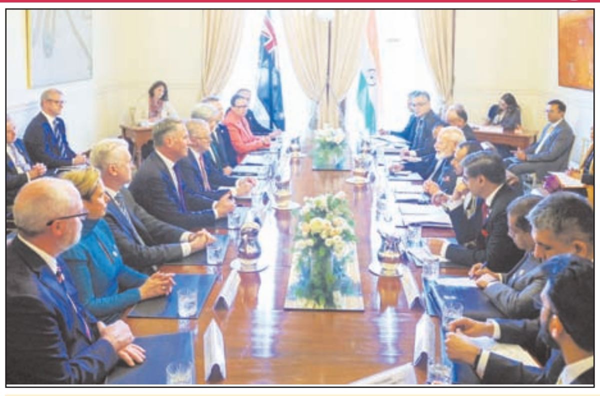

हम जब मदद करते हैं तो नागरिकों के पासपोर्ट नहीं देखते: पीएम मोदी

वेनेजुएला में भूकंप के बाद भारतीय सेना के ऑपरेशन अमिस्ताद का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत हमेशा आपदा में मदद करता है। हम जब मदद करते हैं तो नागरिकों के पासपोर्ट नहीं देखते। दुनिया आज भारत पर भरोसा करती है। पीएम मोदी ने तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरान भी भारत की तरफ से भेजी गई मदद का जिक्र किया। उन्होंने खेल के क्षेत्र में दिए गए योगदान का भी जिक्र किया।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंध मजबूत हुए

पीएम मोदी ने कहा कि यह सिर्फ नए कैंपस खोलने की बात नहीं है, यह दुनिया को कुशल और इनोवेटिव टैलेंट देने वाले ग्लोबल लीडर तैयार करने का एक अभियान भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 2014 के ऑस्ट्रेलिया दौरे को याद करते हुए कहा कि उस समय करीब 28 वर्षों के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया की यात्रा की थी। उन्होंने कहा, "उस दौरान मैंने कहा था कि अगली बार भारत के प्रधानमंत्री के आने के लिए लोगों को 28 साल इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में यह उनकी ऑस्ट्रेलिया की तीसरी यात्रा है और यह एक तरह से हैट्रिक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बदलाव दर्शाता है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंध कितनी तेजी से मजबूत हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "मुझे खुशी है कि शिक्षा, हुनर और इनोवेशन के क्षेत्र में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रिश्ते गहरे और मजबूत हो रहे हैं। आज हजारों भारतीय छात्र ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई कर रहे हैं और अब ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटीज भी भारत में अपने कैंपस खोल रही हैं।

डीकिन और वोलोंगोंग यूनिवर्सिटीज के कैंपस शुरू हो चुके हैं और दूसरी ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटीज भी इसी दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

भाजपा ने विपक्ष पर लगाया दोहरे मापदंड का आरोप

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि 21वीं सदी का भारत 'ग्रो मोर, अचीव मोर' के मंत्र के साथ विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब चंद्रयान की सफलता तक सीमित नहीं है बल्कि गगनयान मिशन और अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने के लक्ष्य पर भी काम कर रहा है। मेलबर्न में आयोजित भव्य प्रवासी भारतीय समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और जल्द ही विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक सपना पूरा होने के बाद भारत नया सपना देखने और उसे साकार करने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत ऑस्ट्रेलिया की आदिवासी परंपरा के पारंपरिक संरक्षकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की। उन्होंने कहा कि सिडनी के बाद इस बार मेलबर्न आकर भारतीय समुदाय से मिलना उनके लिए विशेष खुशी का अवसर है।

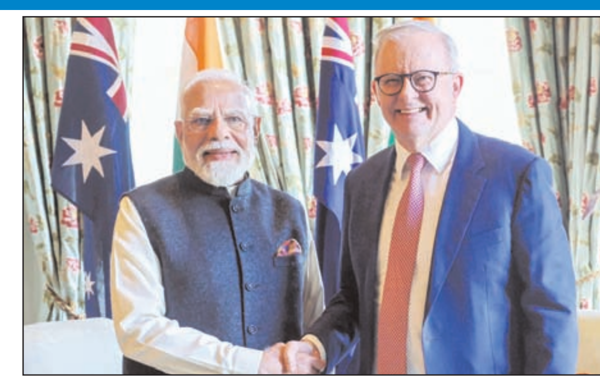

मन और दिल भारत से हमेशा जुड़ा रहता है: प्रधानमंत्री मोदी

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की उपस्थिति के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहे है और इसमें भारतीय प्रवासी समुदाय की सबसे बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जब वह पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में ऑस्ट्रेलिया आए थे, तब 28 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा हुई थी। उन्होंने याद दिलाया कि तब उन्होंने वादा किया था कि अगली यात्रा के लिए 28 वर्ष का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पिछले 12 वर्षों में यह उनकी तीसरी ऑस्ट्रेलिया यात्रा है, जो दोनों देशों के मजबूत होते संबंधों का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि वे ऑस्ट्रेलिया की प्रगति में योगदान दे रहे हैं लेकिन उनका मन और दिल भारत से हमेशा जुड़ा रहता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां प्रेम, संस्कृति और अपने संस्कारों की खुशबू फैलाते हैं।

तृणमूल के तीन पूर्व राज्यसभा सदस्य भाजपा में शामिल

कोलकाता/एजेंसी

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के तीन पूर्व राज्यसभा सदस्य सुखेंदु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। सॉल्टलेक स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य की उपस्थिति में तीनों नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। तीनों नेता पूर्व में तृणमूल कांग्रेस की ओर से राज्यसभा के सदस्य रहे थे। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया था। इसके बाद उनके भाजपा में शामिल होने की चर्चा चल रही थी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और पश्चिम बंगाल के विकास में विश्वास व्यक्त करते हुए तीनों नेताओं ने भाजपा का दामन थामा है।

साइबर ठगों पर पुलिस का शिकंजा, एक गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। खखरेरू पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर फ्राड एवं धोखाधड़ी कर वर डॉलर को भारतीय रुपए में बदलने व कूट रचित दस्तावेज तैयार कर देश के अलग अलग हिस्सों में रहने वाली आम जनता को ट्रेडिंग के नाम पर छलकर उनके पैसों को अपने खातों में जमा कराने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से लैपटॉप, मोबाइल फोन, विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड, बैंक ऑफ बड़ौदा की पासबुक तथा अलग-अलग जन्मतिथि अंकित पैन कार्ड की छायाप्रतियां बरामद की गई।
फतेहपुर पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिन के निर्देशन में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के क्रम में साइबर थाना फतेहपुर द्वारा प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से प्राप्त सूचना थाना खखरेरू पुलिस को उपलब्ध कराई गई। उक्त सूचना के आधार पर थाना खखरेरू पुलिस द्वारा साइबर फ्रॉड एवं धोखाधड़ी के एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।
पूछताछ में उसने अपना नाम दीपचन्द्र पुत्र फूलचन्द्र, निवासी कस्बा व थाना खखरेरू, जनपद फतेहपुर, उम्र लगभग 30 वर्ष बताया।

पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने बताया कि वह वर Dollar Trading के नाम पर लोगों को निवेश का झांसा देकर उनसे धनराशि प्राप्त करता था। धोखाधड़ी से प्राप्त धनराशि को अपने एवं अन्य बैंक खातों में मंगवाकर विभिन्न खातों के माध्यम से स्थानांतरित करता था, जिससे धनराशि के वास्तविक स्रोत एवं गंतव्य को छिपाया जा सके। अभियुक्त ने बताया कि उसके नाम से विभिन्न बैंकों में अनेक खाते संचालित हैं, जिनका उपयोग उक्त साइबर धोखाधड़ी में किया जाता था। जिन खातों को साइबर शिकायतों के कारण फ्रीज कर दिया जाता था, उनके स्थान पर वह नए बैंक खाते खुलवाकर उनका प्रयोग करने लगता था। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वीकार किया कि वह लोगों का विश्वास जीतने के लिए ट्रेडिंग से संबंधित भ्रामक जानकारी एवं प्रलोभन देता था तथा निवेश के नाम पर धनराशि अपने खातों में प्राप्त कर लेता था।
प्राप्त धनराशि को विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से स्थानांतरित कर अपने उपयोग में लाता था। अभियुक्त से प्राप्त जानकारी के आधार पर उसके द्वारा प्रयुक्त बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, डिजिटल माध्यमों, वित्तीय लेन-देन तथा अन्य संभावित सहयोगियों के संबंध में साक्ष्य संकलित कर अग्रिम विधिक एवं विवेचनात्मक कार्यवाही की जा रही है।

ट्रैक्टर चोरी की घटना का खुलासा, अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी का ट्रैक्टर, ट्राली व अन्य सामान बरामद

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। 12 जून को थाना सैनी पर जल जीवन मिशन योजना के ठेकेदार अमित कुमार प्रजापति पुत्र अशोक कुमार प्रजापति निवासी ग्रेस सिटी जनपद कानपुर नगर द्वारा सूचना दी गयी कि वह ग्राम थुलगुला में अक्टूबर 2025 से काम कर रहे है दिनांक 25.05.2026 को ट्रैक्टर, ट्रैक्टर ट्राली में सामान रखकर किराये के मकान में खड़ा करके घर चले गये थे, वापस आकर देखे तो ट्रैक्टर, ट्राली व उसमे रखा सामान अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया था । थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा आसपास के लोगों से पूछताछ, सीसीटीवी/सर्विलांस की मदद से प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त की तलाश की जा रही थी कि इसी दौरान मुखबिर खास की सटीक सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बिधित वांछित अभियुक्त होरी लाल पुत्र राम लखन निवासी ग्राम कोड़वा थाना शिवली जनपद कानपुर देहात को ससुर खदेरी पुल ग्राम लोहदा के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से चोरी का एक ट्रैक्टर, ट्रैक्टर ट्राली, 2 डीजी सेट जनरेटर, 3 ज्वाइन्ट मशीन, 01 गैस सिलेण्डर मय चूल्हा बरामद किया गया ।

वारंटी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना मलवां पुलिस द्वारा डीपी एक्ट से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त अनिल उर्फ सैकू पुत्र घसीटे, उम्र करीब 48 वर्ष, निवासी ग्राम मंशा का पुरवा, थाना मलवां, जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

ग्राम चौपाल लगाकर डीएम सुनी ग्रामवासियों की समस्याएं

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को छूटे हुए सभी पात्र लोगों को लाभान्वित करने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज "गॉव की समस्या,गॉव में समाधान" के अन्तर्गत विकास खण्ड कौशाम्बी की ग्राम-म्योहर में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए।
जिलाधिकारी ने ग्राम के लाभार्थियों से पुष्टाहार मिलने, पेंशन, शौचालय का लाभ मिलने, राशन मिलने, कन्या सुमंगला योजना एवं आवास आदि योजनाओं से लाभान्वित होने की जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि छूटे हुए सभी पात्र लोगों को शीघ्र लाभान्वित किया जाए। उनके द्वारा नजदीकी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य

सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने पर ग्रामवासियों ने बताया कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने ए.एन.एम. से गांव में एच.आर.पी. महिलाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि इन पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारी को आवश्यक दवाओं एवं एंटी स्नेक वेनम की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित बनाए रखने के निर्देश दिए।
जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री से ग्राम में सैम बच्चों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सैम बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र अवश्य भर्ती कराया जाए। उन्होंने नायब तहसीलदार को नए आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण के लिए भूमि चिन्हित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार प्रदान किया एवं बच्चों को अन्नप्राशन भी कराया।
ग्राम चौपाल में ग्रामवासियों ने बताया कि कहीं-कहीं पर जल-जमाव हो गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देशित किया कि जल-जमाव की निकासी कराई जाए।
ग्राम चौपाल में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने ग्रामवासियों को विभागीय योजनाओं/कार्यक्रमों की जानकारी देकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

दो वारण्टी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना करारी पुलिस टीम द्वारा आर्म्स एक्ट थाना करारी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त इस्तियाक अहमद उर्फ हरीष पुत्र लईक अहमद निवासी ग्राम बैसकाठी थाना करारी जनपद कौशाम्बी व वारण्टी अभियुक्त सहजादे पुत्र मुहर्रम निवासी ग्राम छिमिरछा थाना करारी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

20 वर्षीय युवती का शव नहर में मिलने से फैली सनसनी

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर जिला बिजनौर के नहटौर-नगीना मार्ग पर स्थित गांव तरकौली के पास गांगन नदी में एक 20 वर्षीय युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। युवती की पहचान मोहल्ला नौधा निवासी राहत पुत्री मेंहदी हसन के रूप में हुई है।
मिली जानकारी के अनुसार युवती मंदबुद्धि थी जो बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। परिजनों द्वारा अपने स्तर काफी तलाश किया गया लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका था।
खोजबीन के दौरान परिजन गांव तरकौली के पास गांगन नदी के किनारे पहुंचे, जहां उन्हें राहत की चप्पलें मिलीं। इसके बाद ग्रामीणों और परिजनों ने नदी के आसपास तलाशी शुरू की, तो युवती का शव पानी में तैरता हुआ मिला। ग्रामीणों ने शव को तुरंत बाहर निकाला।
घटना की सूचना मिलते ही नहटौर कोतवाली प्रभारी कृष्ण अवतार सिंह पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। कोतवाली प्रभारी किशन अवतार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है। पंचनामा की कार्यवाही के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।
पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवती की मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

प्राकृतिक खेती और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देगा वर्मी कम्पोस्ट खाद विक्रय केंद्र-डीएम

जिलाधिकारी ने महिलाओं की पहल को सराहा, 'ग्रीन गोल्ड' वर्मी कंपोस्ट केंद्र का कराया उद्घाटन

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज ग्राम म्योहर में तिरंगा महिला आजीविका स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष पूनम से फीता कटवाकर वर्मी कंपोस्ट खाद विक्रय केंद्र का उद्घाटन कराया।
जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वर्मी कंपोस्ट उत्पादन एवं विक्रय का कार्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि वर्मी कंपोस्ट के प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है तथा गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित कृषि उत्पादन सुनिश्चित होता है।
जिलाधिकारी ने उपस्थित महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि समूहों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं और अपनी आय में वृद्धि कर परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकती हैं।
इस वर्मी कंपोस्ट खाद विक्रय केंद्र का संचालन तिरंगा महिला आजीविका स्वयं सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है। समूह द्वारा तैयार की गई वर्मी कंपोस्ट खाद को "ग्रीन गोल्ड" नाम दिया गया है। किसानों एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए इस जैविक खाद का मूल्य 10 रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है।
इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

फर्जी वेबसाइट बनाकर ऑनलाइन ठगी करने वाले सात साइबर अपराधी गिरफ्तार

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर! जिला बिजनौर के थाना नूरपुर पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए परिवहन विभाग की हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (HSRP) की फर्जी वेबसाइट बनाकर ऑनलाइन ठगी करने वाले सात सदस्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के सात आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 11 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 12,300 नकद तथा अन्य उपकरण बरामद किए हैं।
पुलिस के अनुसार प्रदेश स्तर पर

चलाए जा रहे Cy-Vajra अभियान के तहत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) पर दर्ज शिकायतों की जांच में यह गिरोह सामने आया। आरोपियों ने परिवहन विभाग की आधिकारिक HSRP वेबसाइट की हूबहू नकल कर bookkhsr-plate.com और book-myhsrp.com नाम से फर्जी वेबसाइट तैयार की थीं। इन वेबसाइटों के माध्यम से आम लोगों से HSRP बुकिंग के नाम पर ऑनलाइन भुगतान कराकर साइबर ठगी की जा रही थी।
थाना नूरपुर में इस संबंध में 8 जुलाई 2026 को मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद 9 जुलाई को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि फर्जी वेबसाइट बनाने के लिए डोमेन खरीदने तथा वेबसाइट डिजाइन और तकनीकी कार्यों में ऑनलाइन अक टूल्स सहित विभिन्न तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया गया। ठगी से प्राप्त धनराशि विभिन्न बैंक खातों में मंगाकर आपस में बांट ली जाती थी।
पुलिस ने बताया कि मामले में अन्य बैंक खातों और गिरोह के नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

सड़क के भ्रम में तालाब में डूब गया तहसील कर्मी

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर जिला बिजनौर के थाना मण्डावर क्षेत्र के गोपालपुर गांव में भारी बारिश से सड़क में हुए जलभराव को पार कर रहा तहसील संविदा कर्मी तालाब में जा धंसा और मौत के मुंह में समा गया । स्थानीय गोताखोरों की मदद से उसकी तालाब की गार में धंसी लाश को खोजा जा रहा है। बुधवार की पूरी रात भारी बारिश ने क्षेत्र के गांव देहात में गलियों की सड़को को जलभराव से तालाब में बदल दिया। थाना क्षेत्र के ग्राम गोपालपुर में
रात भर पड़ी बारिश ने गांव में चारों तरफ पानी ही पानी के तालाब से भरे नजर आने लगे।जलभराव की स्थिति में सड़क से लेकर तालाब सब एक हो गए । बृहस्पतिवार की सुबह अशोक कुमार पुत्र शेर सिंह उम्र 50 वर्ष को जलभराव के कारण ऐसा धोखा खाया कि वह सड़क में हुए जलभराव को पार करते समय अचानक गहरे तालाब में जा धंसा और देखते देखते ही गहरे तालाब में समा गया। जब तक गांव के लोग उसे निकालने के लिए पहुंचे तब तक अशोक का शव पानी पीकर तालाब में नीचे गार में बैठ गया । अशोक तहसील में संविदा कर्मी था। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बरसाती पानी की निकासी की सही व्यवस्था नहीं होने से गलियों और सड़कों पर तालाब सा बन गया हैं और सड़क किनारे स्थित तालाब और जलभराव सब एक सा नजर आ रहा है । ये ही स्थिति अशोक के हादसे का कारण बनी। इस घटना से गांव में शोक व्याप्त हो गया है।
सूचना मिलते ही बालावाली चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तालाब के गार में धंसे संविदा कर्मी को ढूंढने में लगी हुई है।
तहसीलदार सदर आशीष सक्सेना ने बताया कि गौताखोर तलाश में लगे है, मृतक के परिवार को देवीय आपदा कोष से सहायता दिलाई जायेगी।

चारबाग से अपहृत पांच माह की बच्ची को सकुशल बरामद करने वाली जीआरपी टीम सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज
लखनऊ। रेलवे स्टेशन चारबाग से पांच माह की बच्ची का अपहरण कर उसे सकुशल बरामद करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाली जीआरपी थाना चारबाग और सर्विलांस टीम को पुलिस महानिदेशक रेलवे ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।
गौरतलब है कि 15 जून 2026 को चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 8/9 से एक अज्ञात महिला पांच माह की बच्ची का अपहरण कर ले गई थी। इस संबंध में जीआरपी थाना चारबाग में मुकदमा दर्ज कर संयुक्त टीम का गठन किया गया। जांच के

दौरान जीआरपी थाना चारबाग और जीआरपी अनुभाग लखनऊ की सर्विलांस टीम ने 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा अन्य तकनीकी और मानवीय प्रयासों के माध्यम से 5 जुलाई 2026 को अपहृत बच्ची को सकुशल बरामद कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया।
पुलिस टीम की इस सराहनीय एवं मानवीय कार्यवाही की व्यापक प्रशंसा की गई। इसी उपलब्धि के लिए पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी. ने बृहस्पतिवार को जीआरपी मुख्यालय, लखनऊ में जीआरपी थाना चारबाग एवं सर्विलांस टीम के अधिकारियों और कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। सम्मान समारोह में पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग लखनऊ रोहित मिश्र तथा क्षेत्राधिकारी रेलवे लखनऊ प्रथम अमित कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

25 लाख के 121 मोबाइल बरामद, स्वामियों को लौटाए, खुशी

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। गुरुवार को कौशाम्बी पुलिस ने जिले के अलग-अलग थानों से चोरी, स्नेचिंग और गायब हुए 121 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने बरामद फोन को उनके मालिकों को वापस कर दिया। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि बरामद मोबाइल उनके असली स्वामियों को पहचान व सत्यापन के बाद लौटा दिए गए। यह सफलता सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी पाम्बी-पा रजिस्टर) पोर्टल की मदद से मिली है। उन्होंने बताया कि सीईआईआर पोर्टल से अब मोबाइल चोरी और खोने के मामलों में त्वरित ट्रैकिंग संभव हो गई है। इस मौके पर एएसपी, सीओ शिवांक सिंह मौजूद रहें।

गैंगस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। एसपी के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध धारा 2/3 उ0प्र0 गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के अंतर्गत गैंगस्टर की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना बिंदकी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर गैंगस्टर एक्ट थाना जहानाबाद फतेहपुर से संबंधित वांछित अभियुक्त मो0 हासिम पुत्र मो० नईम उम्र करीब 38 वर्ष निवासी मोहल्ला काजीटोला कस्बा जहानाबाद थाना जहानाबाद जनपद फतेहपुर को बस स्टैण्ड, थाना जहानाबाद फतेहपुर के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को गुरुवार को आवश्यक विधिक कार्यवाही उपरांत मा० न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन के प्रति किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश राय के कुशल पर्यवेक्षण में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं मुख्यालय द्वारा संचालित "मिशन सेव फ्यूचर" अभियान के अंतर्गत क्षेत्राधिकारी अविनाश सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) प्रतीक मिश्रा तथा प्रभारी यातायात केशरी प्रसाद यादव

द्वारा संयुक्त रूप से सेंट जेवियर्स स्कूल एवं सरस्वती बाल विद्या मंदिर (डाक बंगला) में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक करते हुए हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यालयों के समस्त स्कूली वाहनों का सघन निरीक्षण किया गया।
वाहनों में फर्स्ट एड किट, अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता एवं उनकी वैधता की जांच की गई तथा विद्यालय प्रबंधन को सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पिता और भाई की फावड़े से काटकर हत्या करने के दोषी को आजीवन कारावास

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के निवाड़ी थाना क्षेत्र के पैंगा गांव में वर्ष 2018 में हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड में गाजियाबाद के सत्र न्यायालय ने बृहस्पतिवार की शाम को एक बड़ा फैसला सुनाया है। सत्र एवं जिला न्यायाधीश विनोद सिंह रावत की अदालत ने आरोपी सुमित उर्फ बबलू को अपने पिता और भाई की फावड़े से काटकर हत्या करने के मामले में दोषी करार दिया है। उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही अदालत ने दोषी पर एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जिला अभियोजन अधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि 23 दिसंबर 2018 को दोपहर करीब दो बजे पीतम सिंह और उनका बेटा सुभाष गेहूं की बुवाई के लिए खेत पर गए थे। इसी दौरान सुभाष की पत्नी सुधा अपने भाई मिंटू के साथ खेत पहुंची, जहां उसने अपने देवर सुमित उर्फ बबलू को दोनों के ऊपर फावड़े से हमला करते हुए देखा। शोर मचाने पर सुमित फावड़ा लेकर गन्ने के खेत की ओर भाग गया। दोनों के गले और शरीर पर गंभीर चोटें थीं और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई थी। घटना से सदमे में आई सुधा बेहोश हो गई और होश में आने के बाद उसी रात थाना निवाड़ी में तहरीर देकर देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

इस मामले में पुलिस ने जांच के दौरान घटनास्थल से रक्तरंजित और मिट्टी कब्जे में ली, पंचनामा भरकर शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त फावड़ा बरामद किया। जांच पूरी होने पर आरोपी के विरुद्ध धारा 302 आईपीसी में आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। अदालत में सुनवाई के दौरान अभियोजन ने 12 गवाह पेश किए। मृतक सुभाष की पत्नी सुधा को मुख्य प्रत्यक्षदर्शी के रूप में अदालत में पेश किया गया।

अदालत ने माना कि लंबी जिरह के बावजूद उसके बयान में घटना के मूल तथ्यों को लेकर कोई ऐसा विरोधाभास नहीं मिला, जिससे उसकी विश्वसनीयता पर संदेह किया जा सके। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल के साक्ष्य और फावड़े की बरामदगी ने भी उसके बयान की पुष्टि की। अदालत ने यह भी माना कि एफआईआर दर्ज होने में लगभग दस घंटे का विलंब परिस्थितियों के अनुरूप स्वाभाविक था, क्योंकि प्रत्यक्षदर्शी महिला ने अपने पति और ससुर की हत्या अपनी आंखों के सामने देखी थी और सदमे से बेहोश हो गई थी।

मामूली विवाद में युवक पर कैचीं से जानलेवा हमला

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया । थाना क्षेत्र के कस्बा सिकंदरा में किरानें की दुकान से लेनदेन के मामूली विवाद को लेकर युवक पर कैंची से जानलेवा हमला कर दिया गया । सिकंदरा निवासी शमीम अहमद पुत्र शाह मोहम्मद जिनके पड़ोस में धीरेंद्र मौर्या पुत्र नन्हें की किरानें की दुकान है सभी लोगों का उस किरानें की दुकान से किरानें के सामान का देना होता रहा है । शमीम अहमद का भी कुछ पैसे का लेनदेन धीरेन्द्र से था। जिस मामलें में बुधवार की रात समीम धीरेंद्र के दुकान पर पहुंचा और पैसे की लेनदेन में ही आपस में बहस हो गई बहस के बाद दोनों लोगों में गाली गलौज शुरू हो गई इसी बीच शमीम अहमद पैसे के एवज में दुकान पर रखा हुआ एक टॉफी का डिब्बा उठा लिया जिससे नाराज धीरेंद्र ने घर में रखी हुई कैंची से लगातार सात बार समीम के पीठ पर वार कर दिया जिसे शमीम अहमद लाहुलुहान होकर गिर पड़ा और हल्ला सुनकर परिजन पहुंचे और समीम को लेकर अस्पताल की ओर भागे और घटना की सूचना 112 नंबर पर कर दी मौके पर पहुंचे डायल 112 के सिपाहियों नें धीरेंद्र को अपनें साथ लेकर गये व शमीम अहमद को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया देर रात होनें के कारण कार्रवाई सुबह होनें का आश्वासन दिया जबकि इस घटना की लिखित तहरीर चौकी सिकंदरा मे समीम अहमद नें देर रात में ही दे दी है।

सीएमपी कॉलेज के पास यातायात पुलिस का अभियान, 4 प्राइवेट बसें सीज, 50 वाहनों का चालान

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त (यातायात) नीरज कुमार पाण्डेय एवं अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) पुष्कर वर्मा के निर्देश पर गुरुवार को यातायात पुलिस ने सीएमपी कॉलेज के समीप विद्यावाहिनी रोडवेज बस स्टैंड पर अतिक्रमण एवं अवैध पार्किंग के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया।

सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) निकिता श्रीवास्तव नेतृत्व में चलाए गये अभियान के दौरान प्रभारी यातायात निरीक्षक मनोज सिंह, यातायात निरीक्षक संतोष कुमार सिंह तथा क्यूआरटी प्रभारी उपनिरीक्षक यातायात महेश पाण्डेय की संयुक्त टीम ने सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों को हटाकर मार्ग को अवरोधमुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान नियमों का उल्लंघन कर सड़क पर खड़ी चार प्राइवेट बसों को सीज किया गया। वहीं, नो पार्किंग में खड़ी लगभग 50 प्राइवेट एवं रोडवेज बसों सहित अन्य वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। साथ ही चेतावनी दी गई कि यातायात व्यवस्था बाधित करने वालों के विरुद्ध आगे भी अभियान जारी रहेगा।

सीडीओ की अध्यक्षता में मेरा युवा भारत जिला सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन व मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में मेरा युवा भारत जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के युवाओं को अधिकाधिक संख्या में मेरा युवा भारत से जोड़ने, विभिन्न विभागों एवं शिक्षण संस्थानों के मध्य समन्वय स्थापित करने तथा युवाओं के लिए आधुनिक कौशल विकास कार्यक्रमों के संचालन पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों एवं संबंधित विभागों को मेरा युवा भारत पोर्टल पर अधिक से अधिक युवाओं का पंजीकरण सुनिश्चित करने के लक्ष्य प्रदान किए। उन्होंने एस.एस. खन्ना डिग्री कॉलेज, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, कुलभास्कर आश्रम डिग्री कॉलेज, यूनाइटेड विश्वविद्यालय तथा जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने का आह्वान किया।

मुख्य विकास अधिकारी ने खेल विभाग, पंचायती राज विभाग सहित सभी रेखीय विभागों को निर्देशित किया कि वे मेरा युवा भारत के कार्यक्रमों में सक्रिय समन्वय स्थापित करते हुए ग्रामों, शिक्षण संस्थानों एवं समुदाय स्तर पर युवाओं को संगठित करें तथा नियमित गतिविधियों में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पंजीकरण होने से जनपद के युवा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं, निबंध लेखन, अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रमों, स्वयंसेवी गतिविधियों, नेतृत्व विकास तथा अन्य नवाचार आधारित कार्यक्रमों का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

बैठक में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए युवाओं के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं रोबोटिक्स आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया गया। इस संबंध में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज तथा मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज के सहयोग से कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं रोबोटिक्स प्रयोगशालाओं की स्थापना तथा आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई, जिससे जनपद के युवाओं को भविष्य की तकनीकों से जोड़ते हुए रोजगार, नवाचार एवं उद्यमिता के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा सकें।

बहरिया पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का अभियुक्त किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया । पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना बहरिया पर पंजीकृत गैर इरादतन हत्या से सम्बन्धित अभियुक्त नागेन्द्र बहादुर सिंह पुत्र पृथ्वीपाल सिंह निवासी ग्राम खालसा थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज बृहस्पतिवार को थाना बहरिया के सरायगनी मोड़ स्थित ईदगाह के पास से गिरफ्तार कर नियामानुसार विधिक कार्यवाही की

थाना क्षेत्र के ग्राम खालसा में मवेशियों से फसल को बचाने के लिए अवैध तरीके से बिजली के तार से जुड़े हुए खुले तार की चपेट में आने से बुधवार को चाचा भतीजे की मृत्यु हो गयी थी, जिसके सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना बहरिया पर मु0अ0सं0-130/2026 उपरोक्त पंजीकृत किया गया था ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

थानाध्यक्ष मानवेन्द्र कुमार सिंह, व0उ0नि0 अमित कुमार सिंह, उ0नि0 भप्पी सोनी, हे0का0 रामचन्द्र वर्मा, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज।

चातुर्मास 25 से, सभी शुभ कार्य चार माह रहेगा बंद

20 नवंबर देवउठनी एकादशी से शुरू होगे सभी शुभ कार्य

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। वर्ष 2026 में सनातन (हिंदू) धर्म का चातुर्मास 25 जुलाई 2026 (देवशयनी एकादशी) से शुरू होकर 20 नवंबर 2026 (देवउठनी एकादशी) तक रहेगा। इन चार महीनों के दौरान भगवान विष्णु (लक्ष्मीनारायण) योगनिद्रा में लीन रहते हैं, जिसके कारण सभी शुभ और मांगलिक कार्य (जैसे विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश आदि) बंद रहते हैं। 20 नवंबर देवउठनी एकादशी से फिर सभी शुभ कार्य शुरू होगे। इस दौरान प्रमुख संत, महात्मा अपने आश्रमों में शिष्यों सहित निवास करते हुए भगवद भजन करेगे।

संत, महात्माओं का मानना है कि भगवान लक्ष्मीनारायण जब योगनिद्रा में लीन रहते है तो सभी संत - महात्मा अपने आश्रमों चातुर्मास करते हुए भगवद भजन और संत सेवा करते है। वह इन चार महीनों अर्थात चातुर्मास में नाला, नदी पार नही करते है। आश्रमों में भगवद भजन करते हुए संत सेवा करते है।

अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज हरियाणा के चरखी दादरी स्थित आश्रम में शिष्यों और बटुकों सहित चातुर्मास करेगे। जगदगुरू नारायणाचार्य स्वामी शाडिल्य महराज प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर धाम स्थित आश्रम में शिष्यों और बटुकों सहित चातुर्मास करेगे। किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी प्रो (डा) लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज शिष्यों सहित दिल्ली स्थित आश्रम में चातुर्मास करेगे।

राजस्थान के बीकानेर के राष्ट्रीय संत महामण्डलेश्वर स्वामी सरयूदास महराज बीकानेर स्थित आश्रम में बडी संख्या में संत और शिष्यों सहित चातुर्मास करेगे।

मीरापुर में सूने मकान का ताला तोड़ लाखों की चोरी, जेवरात-नकदी समेट ले गए बदमाश

परिवार अंतिम संस्कार में गया था गांव, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस कर रही तलाश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज के मीरापुर मोहल्ले में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना उस समय हुई, जब परिवार पैतृक गांव प्रतापगढ़ के सलाहपुर में अंतिम संस्कार में शामिल होने गया था। सूचना पर पहुंची अतरसुइया पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पीड़ित संजय कुमार के अनुसार, आठ जुलाई की शाम पूरा परिवार घर में ताला बंद कर गांव चला गया था। देर रात करीब दो बजे तीन युवक चाहरदीवारी फांदकर घर में घुसे और मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ दिया। इसके बाद कमरे में रखी अलमारी का लॉक तोड़कर करीब साढ़े तीन लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और 10 हजार रुपये नकद चोरी कर फरार हो गए।

पीड़ित का आरोप है कि वारदात के दौरान गिरोह के 8-9 साथी बाइक से बाहर असलहा लेकर खड़े थे। मोहल्ले के एक युवक की नजर पड़ने पर चोरी की जानकारी हुई।

संजय कुमार ने बताया कि उनके मकान में नवंबर 2024 में भी चोरी हुई थी, लेकिन उस मामले में अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

अतरसुइया थाना प्रभारी संजय द्विवेदी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

करंट की चपेट मे आये चाचा भतीजे की मौत से गांव मे छाया मातम , पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

पोस्टमार्टम के बाद गांव मे पुलिस बल तैनात

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। थाना क्षेत्र के खलसा गांव में बुधवार को करंट लगने से हुई चाचा-भतीजे की मौत के बाद बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव गांव पहुंचे। शव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया और रो-रोकर बुरा हाल हो रहा है। गांव में शोक का माहौल है। एहतियात के तौर पर मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

मां से फोन पर बात करने के बाद नए यमुना पुल से युवक ने लगाई छलांग, मौत

करीब पौने दो घंटे चले तलाश अभियान के बाद यमुना से शव बरामद, आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नए यमुना पुल से गुरुवार शाम एक युवक ने यमुना में छलांग लगाकर जान दे दी। आत्मघाती कदम उठाने से कुछ देर पहले उसने अपनी मां से मोबाइल पर बात की थी। सूचना पर पहुंची पुलिस और जल पुलिस ने करीब पौने दो घंटे तक तलाश अभियान चलाया, जिसके बाद युवक का शव बरामद कर लिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम करीब पौने पांच बजे युवक पुल पर पहुंचा और कुछ देर तक मोबाइल पर किसी से बातचीत करता रहा। इसके बाद वह अचानक रेलिंग पर चढ़ा और यमुना में छलांग लगा दी। घटना से पुल पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तत्काल कीडगंज पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने जल पुलिस की मदद से तलाश अभियान शुरू कराया। करीब साढ़े छह बजे युवक का शव नदी से बाहर निकाल लिया गया। उसके पास मिले मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेजों के आधार पर उसकी पहचान सरायइनायत थाना क्षेत्र के सीहीपुर और वर्तमान में आवास विकास कॉलोनी योजना-3, नई झूंसी निवासी 30 वर्षीय संदीप नागर पुत्र मौजी लाल के रूप में हुई।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। मां ने बताया कि संदीप ने छलांग लगाने से कुछ देर पहले उनसे फोन पर बात की थी, लेकिन बातचीत के दौरान उसके इरादों का कोई अंदेशा नहीं हुआ। फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

विधायक के प्रयास से नगर पंचायत फूलपुर को मिली 2 करोड़ की विकास योजनाओं की स्वीकृति

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। विधायक फूलपुर दीपक पटेल के प्रयास से नगर पंचायत फूलपुर के समग्र विकास के लिए प्रदेश सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना के अंतर्गत ?2 करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इस स्वीकृति से क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होगा।

नगर विकास विभाग की इस पहल को फूलपुर के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

विधायक मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने बताया कि स्वीकृत धनराशि से नगर पंचायत क्षेत्र में सड़क, नाली, जल निकासी, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य कराए जाएंगे। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से नगर की आधारभूत संरचना मजबूत होगी और लोगों को दैनिक जीवन में बेहतर सुविधाओं का लाभ मिलेगा। साथ ही नगर की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

नगर पंचायत अध्यक्ष अमर नाथ यादव सहित क्षेत्र के लोगों ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति पर प्रदेश के माननीय नगर विकास मंत्री ए के शर्मा और विधायक फूलपुर दीपक पटेल के प्रति आभार व्यक्त किया है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि विकास योजनाओं के लागू होने से फूलपुर के विकास को नई गति मिलेगी और नगर आधुनिक एवं व्यवस्थित स्वरूप की ओर अग्रसर होगा।

नगर पंचायत अध्यक्ष अमर नाथ यादव ने भी नागरिकों से विकास कार्यों में सहयोग करने तथा स्वच्छ, सुंदर और विकसित फूलपुर के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।

लोगों का मानना है कि आने वाले समय में क्षेत्र के लिए यह स्वीकृति एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी।

नाबालिग से छेड़छाड़ एवं एससी/एसटी एक्ट के दो आरोपी हिरासत में

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । सात जुलाई को बिन्दकी क्षेत्र के ग्राम मण्डराव की 17 वर्षीय नाबालिग पीड़िता को उसका दूर का मौसेरा भाई गोविन्द बहला-फुसलाकर ले जा रहा था, जिसे गाँव के ही अनुज सिंह ने रास्ते में रोक लिया। इसके पश्चात अनुज सिंह पीड़िता को घर छोड़ने के बहाने चौडगरा स्थित एक होटल में ले गया, जहाँ उसने आपराधिक मंशा से पीड़िता के साथ छेड़छाड़ का प्रयास किया, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर उसे अपमानित किया और घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। डरी-सहमी पीड़िता ने घर पहुँचकर अपने परिजनों को इस पूरी घटना की जानकारी दी।

प्रकरण में पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया तथा माननीय न्यायालय के समक्ष धारा 183 बीएनएसएस के अंतर्गत बयान दर्ज कराए गए, जिसमें पीड़िता द्वारा अपने साथ छेड़छाड़ किए जाने की बात कही गई है।

प्रकरण में नामजद दोनों आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया।

डीएम ने वृहद वृक्षारोपण अभियान के सम्बंध में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता एवं प्रभागीय वनाधिकारी अरविन्द कुमार यादव की उपस्थिति में गुरुवार को संगम सभागार में 12 जुलाई को होने वाले वृहद वृक्षारोपण अभियान में विभिन्न सामाजिक, स्वयंसेवी, शैक्षणिक, सिविल डिफेंस, औद्योगिक संगठन, व्यापारिक संगठन, मेडिकल एसोसिएशन, पेट्रोल, ईंट भट्ठा संगठन, रोटरी क्लब, लायंस क्लब सहित अन्य क्षेत्रों के संगठनों की जन सहभागिता बढ़ाये जाने तथा वृक्षारोपण को एक जनआंदोलन का रूप देते हुए ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण कराए जाने के दृष्टिगत बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा सभी संगठनों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों से इस वृक्षारोपण महा अभियान में स्वयं तथा संगठन के सभी सदस्यों को सक्रिय भूमिका निभाने तथा अभियान में जुड़कर ज्यादा से ज्यादा पौधों को रोपित करने की अपील की है।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्षारोपण महाअभियान को जनभागीदारी के माध्यम से जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए। उन्होंने सभी संगठनों से अपील की कि वे अपने-अपने स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ें, सभी अपने घर, पार्क, खाली स्थान, सड़क के किनारे तथा स्कूल एवं अन्य उचित स्थलों पर पौधारोपण करें तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण आवश्यक है इसलिए पूरे परिवार के साथ इस महा अभियान में जुडे।

उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से 12 जुलाई को पूरे उत्साह एवं सहभागिता के साथ अभियान में शामिल होने तथा जनपद को हरित बनाने के इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया। बैठक में उपस्थित सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने वृक्षारोपण महाअभियान में अपने-अपने सुझाव दिये तथा अभियान में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया तथा अपने-अपने संगठन के माध्यम से व्यापक स्तर पर पौधारोपण एवं जनजागरूकता अभियान संचालित करने की बात कही।

बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर सत्यम मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संपादकीय

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि यह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थी, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निर्माता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए।

आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है।

पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णतः मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती है। पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को ह्यनिरस्त्रह्व करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनैतिक और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंततः नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता।

आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे।

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा।

इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला गया तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए।

साइबर सुरक्षा भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण नई चुनौतियों से घिर गई है। बैंकिंग व्यवस्था, विद्युत तंत्र, रक्षा नेटवर्क और संचार प्रणाली आज डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी राष्ट्र को कुछ घंटों में अस्थिर कर सकते हैं। झूठे संदेश, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम चित्र और आवाजों के माध्यम से सामाजिक तनाव उत्पन्न किए जा सकते हैं। सत्य और असत्य का अंतर मिटने लगा है।

मिलावट है भारत के सपनों पर विषनुमा दाग

ललित गर्ग

भारत आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बन चुका है। आधुनिक राजमार्ग, बुलेट ट्रेन, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष में नई उपलब्धियां और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रगति निश्चय ही गौरव का विषय हैं। लेकिन इन सबके बीच एक ऐसा कलंक है, जो इस समस्त प्रगति के माथे पर काले धब्बे की तरह दिखाई देता है-मिलावट। यह केवल खाद्य पदार्थों में मिलावट नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व में आई मिलावट का भी प्रतीक है। यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि एक ओर चिकित्सक रोगियों को स्वास्थ्य लाभ के लिए दूध, घी, फल, पनीर और पौष्टिक आहार लेने की सलाह देते हैं, वहीं दूसरी ओर बाजार में वही दूध डिटर्जेंट और यूरिया से भरा मिलता है, घी में जानलेवा रसायन मिलते हैं, फलों को जहरीले रसायनों से पकाया जाता है और दवाइयों तक में नकलीपन प्रवेश कर चुका है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिर स्वस्थ जीवन की आशा किससे की जाए? नये भारत, विकसित भारत एवं मजबूत भारत का सबसे बड़ा हो- मिलावट-मुक्त भारत। यह विडंबना केवल उपभोक्ता की नहीं, पूरे राष्ट्र की है। जिस देश की संस्कृति अन्नं ब्रह्म और सर्वे भवन्तु सुखिनः का संदेश देती हो, वहां भोजन ही यदि विष बन जाए तो इससे बड़ी त्रासदी और क्या हो सकती है? हाल के ही दिनों में देश के विभिन्न भागों से मिलावट के अनेक भयावह मामले सामने आए हैं। कहीं हजारों लीटर नकली दूध पकड़ा जाता है, कहीं करोड़ों रुपये का नकली शहद, कहीं मिलावटी घी, मावा और मसाले बरामद होते हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जीवन बचाने वाली दवाइयों में भी नकली और घटिया सामग्री का उपयोग पाया गया। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। जो व्यक्ति लाभ कमाने के लिए किसी बच्चे, गर्भवती महिला, वृद्ध या बीमार व्यक्ति के भोजन और दवा में जहर घोल देता है, वह केवल व्यापारी नहीं, समाज का अपराधी है। दरअसल, मिलावट का सबसे बड़ा कारण केवल आर्थिक लालच नहीं, बल्कि नैतिक पतन है। पहले समाज में यह भावना थी कि दूसरों को कष्ट देकर कभी सुख नहीं मिल सकता। लोग ईश्वर, धर्म और समाज की नैतिक मयार्दाओं से डरते थे। आज परिस्थितियां बदल गई हैं। त्वरित धन अर्जित करने की अंधी दौड़ ने संवेदनाओं को कुचल दिया है। अब कुछ लोगों के लिए मुनाफा ही धर्म बन गया है, चाहे उसकी कीमत किसी की जान क्यों न हो। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास का भी प्रश्न है। मिलावटी खाद्य पदार्थ कैंसर, किडनी, लीवर, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन और बच्चों में कुपोषण जैसी गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी बोझ बढ़ता है, परिवार आर्थिक संकट में फंसते हैं और राष्ट्र की उत्पादक क्षमता प्रभावित होती है। दूसरी ओर, जब भारतीय खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में हमारी विश्वसनीयता भी कमजोर होती है। विकसित भारत का सपना केवल ऊंची इमारतों और तेज आर्थिक विकास से पूरा नहीं होगा; उसके लिए स्वस्थ नागरिक और शुद्ध खाद्य व्यवस्था अनिवार्य है।

विडंबना यह भी है कि हमारे यहां कानून तो हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, निरीक्षण तंत्र और विभिन्न एजेंसियां मौजूद हैं, फिर भी मिलावट का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण भ्रष्टाचार, निरीक्षण व्यवस्था की कमजोरी, मुकदमों में देरी और दंड का अभाव है। त्योहारों पर कुछ छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई करके प्रशासन अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेता है, जबकि बड़े नेटवर्क अक्सर बच निकलते हैं। जब तक दोषियों को त्वरित और कठोर दंड नहीं मिलेगा, तब तक यह विषैला कारोबार समाप्त नहीं होगा। आज आवश्यकता केवल कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर राजनीतिक इच्छाशक्ति की है। हर जिले में आधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित हों। मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब गांव-गांव और शहर-शहर पहुंचें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल ट्रैकिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक हर स्तर पर निगरानी सुनिश्चित की जाए। नकली दवाइयों और मिलावटी खाद्य पदार्थों के मामलों के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें बनाई जाएं, ताकि कुछ महीनों के भीतर दोषियों को सजा मिल सके। ऐसे अपराधों को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध जघन्य अपराध घोषित किया जाना चाहिए। लेकिन केवल सरकार सब कुछ नहीं कर सकती। समाज की भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। उपभोक्ताओं को जागरूक बनना होगा। प्रमाणित उत्पादों का उपयोग, संदिग्ध वस्तुओं की शिकायत, स्थानीय स्तर पर जन-जागरण अभियान और विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा नैतिक शिक्षा का प्रसार अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज मिलावट को केवल अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक बहिष्कार योग्य कृत्य मानने लगे, तो इस बुराई पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं होता। विकसित राष्ट्र वह है जहां नागरिक बिना भय के भोजन कर सकें, जहां दवा जीवन बचाए, जहां व्यापार विश्वास पर आधारित हो और जहां ईमानदारी आर्थिक सफलता का आधार बने। जापान, जर्मनी और अनेक विकसित देशों की सफलता का रहस्य केवल तकनीक नहीं, बल्कि गुणवत्ता और नैतिक अनुशासन भी है। भारत यदि विश्वगुरु बनने का स्वप्न देखता है, तो उसे सबसे पहले अपने बाजार को विश्वास का बाजार बनाना होगा। आज आवश्यकता एक नए राष्ट्रीय अभियान की है-मिलावट-मुक्त भारत अभियान। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन की शुरूआत की, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय आंदोलन खड़ा किया जाना चाहिए। यह केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनचेतना का अभियान बने। प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह न मिलावट करेगा, न मिलावट को बढ़ावा देगा और न ही मिलावट करने वालों को सामाजिक सम्मान देगा। हमें यह भी समझना होगा कि मिलावट केवल किसी दूसरे के परिवार को नहीं, अंततः पूरे समाज को नुकसान पहुंचाती है। जो व्यापारी आज मिलावट कर रहा है, उसका अपना परिवार भी इसी समाज में रहता है। उसके बच्चे भी इसी हवा में सांस लेते हैं, इसी बाजार से वस्तुएं खरीदते हैं। इसलिए मिलावट वास्तव में दूसरों के लिए नहीं, अपने ही भविष्य के लिए जहर तैयार करना है। स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर वर्ष 2047 का भारत तभी वास्तव में विकसित कहलाएगा, जब उसकी पहचान केवल आर्थिक शक्ति से नहीं, बल्कि शुद्धता, विश्वसनीयता और नैतिकता से होगी। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां दूध में दूध हो, दवा में दवा हो, भोजन में जीवन हो और व्यापार में विश्वास हो। यही सच्चे अर्थों में आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित भारत की पहचान होगी। भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और ह्लसर्वे भवन्तु सुखिनःह्व की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। आज समय हमें पुकार रहा है कि हम विकास की ऊंची इमारतों के साथ चरित्र की मजबूत नींव भी रखें। यदि मिलावट समाप्त नहीं हुई, तो हमारी सारी प्रगति खोखली सिद्ध होगी। इसलिए सरकार कठोर कानून बनाए, प्रशासन निर्भीक कार्रवाई करे, न्यायपालिका त्वरित दंड सुनिश्चित करे और समाज नैतिक जागरण का बिगुल फूंके।

विवाहित जीवन में बढ़ता तनाव

डॉ विजय गर्ग

विवाह केवल दो व्यक्तियों का ही नहीं, बल्कि दो परिवारों, संस्कृतियों और जीवन मूल्यों का भी मिलन होता है। भारतीय समाज में विवाह को एक पवित्र और आजीवन बंधन माना गया है, जो प्रेम, विश्वास, सम्मान और आपसी समझ पर आधारित होता है। लेकिन बदलती जीवनशैली, आर्थिक दबावों और सामाजिक परिवर्तनों के कारण आज विवाहित जीवन में तनाव बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है।

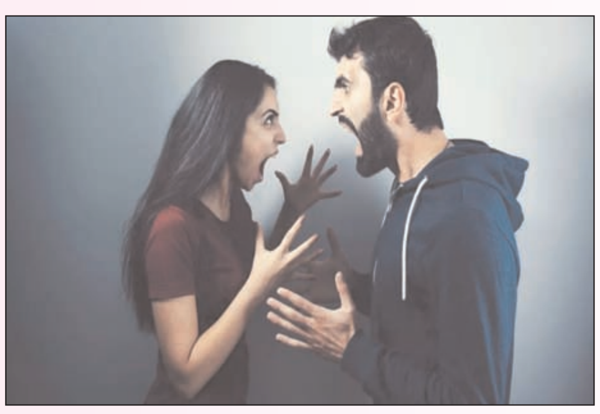

आधुनिक जीवन की भागदौड़ ने पति-पत्नी के बीच बिताए जाने वाले समय को कम कर दिया है। पहले परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर बातचीत करने और सुख-दुख साझा करने का अवसर अधिक मिलता था, लेकिन आज व्यस्त दिनचर्या और कार्यस्थल की जिम्मेदारियों के कारण दंपतियों के पास एक-दूसरे के लिए पर्याप्त समय नहीं बच पाता। इससे भावनात्मक दूरी बढ़ने लगती है और छोटी-छोटी बातें भी विवाद का कारण बन जाती हैं।

आर्थिक समस्याएँ भी वैवाहिक तनाव का एक प्रमुख कारण हैं। बढ़ती महंगाई, बच्चों की शिक्षा, घर का खर्च और भविष्य की सुरक्षा जैसी चिंताएँ परिवारों पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं। जब आर्थिक मामलों में पारदर्शिता और सहयोग की कमी होती है, तब आपसी मतभेद बढ़ने लगते हैं। कई बार वित्तीय अस्थिरता रिश्तों की मधुरता को प्रभावित करती है और तनाव को जन्म देती है।

समाज में बदलती भूमिकाओं और अपेक्षाओं ने भी वैवाहिक जीवन को प्रभावित किया है। आज महिलाएँ शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं। यह परिवर्तन सकारात्मक है, लेकिन इसके साथ घरेलू जिम्मेदारियों के बँटवारे और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को लेकर नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। यदि पति-पत्नी एक-दूसरे की अपेक्षाओं और जिम्मेदारियों को समझने में असफल रहते हैं, तो तनाव उत्पन्न हो सकता है।

संवाद की कमी भी वैवाहिक जीवन में बढ़ते तनाव का एक महत्वपूर्ण कारण है। स्वस्थ संबंधों की नींव खुली और ईमानदार बातचीत पर टिकी होती है। जब लोग अपनी भावनाओं, चिंताओं और अपेक्षाओं को व्यक्त नहीं कर पाते, तो गलतफहमियाँ बढ़ जाती हैं। आज सोशल मीडिया और डिजिटल उपकरणों के बढ़ते उपयोग ने भी आमने-सामने संवाद को प्रभावित किया है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ सकता है।

सोशल मीडिया ने वैवाहिक जीवन में नई चुनौतियाँ पैदा की हैं। लोग अक्सर दूसरों के जीवन की चमक-दमक देखकर अपने रिश्तों की तुलना करने लगते हैं। इससे अवास्तविक अपेक्षाएँ जन्म लेती हैं और असंतोष बढ़ सकता है। वास्तविकता यह है कि हर परिवार और हर रिश्ता अपनी परिस्थितियों और संघर्षों के साथ आगे बढ़ता है। सफल वैवाहिक जीवन के लिए धैर्य, समझदारी और एक-दूसरे को स्वीकार करने की भावना आवश्यक होती है।संयुक्त परिवारों के स्थान पर एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति ने भी दंपतियों की जिम्मेदारियों को बढ़ाया है। पहले परिवार के बड़े-बुजुर्ग अनुभव और मार्गदर्शन प्रदान करते थे, जिससे समस्याओं का समाधान अपेक्षाकृत आसान हो जाता था। आज दंपतियों को अधिकांश निर्णय स्वयं लेने पड़ते हैं, जिससे मानसिक दबाव बढ़ सकता है। वहीं, कई बार पारिवारिक हस्तक्षेप भी तनाव का कारण बनता है, इसलिए संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

मानसिक स्वास्थ्य का प्रभाव भी वैवाहिक जीवन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। कार्यस्थल का तनाव, चिंता, अवसाद और अन्य मानसिक समस्याएँ व्यक्ति के व्यवहार और रिश्तों को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे समय में एक-दूसरे का सहयोग और आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञों की सहायता लेना अत्यंत महत्वपूर्ण है। विवाह परामर्श और पारिवारिक संवाद कई समस्याओं का समाधान करने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

इन सभी चुनौतियों के बावजूद विवाह आज भी जीवन का एक महत्वपूर्ण और सुंदर संबंध है। प्रेम, विश्वास, सम्मान और त्याग की भावना किसी भी रिश्ते को मजबूत बना सकती है। यदि पति-पत्नी एक-दूसरे की भावनाओं को समझें, खुलकर संवाद करें और समस्याओं का समाधान मिलकर खोजें, तो वे कठिन परिस्थितियों का भी सफलतापूर्वक सामना कर सकते हैं।

अंततः, विवाहित जीवन में बढ़ता तनाव आधुनिक समाज के बदलते स्वरूप का प्रतिबिंब है। चुनौतियाँ अवश्य हैं, लेकिन वे अजेय नहीं हैं। आपसी सहयोग, धैर्य, समझदारी और प्रेम के माध्यम से वैवाहिक जीवन को सुखी, संतुलित और मजबूत बनाया जा सकता है। विवाह केवल साथ रहने का नाम नहीं, बल्कि जीवन के हर उतार-चढ़ाव में एक-दूसरे का सहारा बनने की प्रतिबद्धता भी है।

27 की पटकथा कैसे अयोध्या से लिखी जा रही है?

संजय सक्सेना,लखनऊ,
वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या की पावन धरा पर इन दिनों सिने जगत के प्रसिद्ध अभिनेता अनुपम खेर अपनी आगामी फिल्म श्री राम भूमि की शूटिंग के सिलसिले में पहुंचे हैं। हनुमानगढ़ी में मत्था टेकने और रामलला के दर्शन करने के बाद उन्होंने जो कहा, वह केवल एक बयान नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं का प्रतिबिंब है। उन्होंने दान पेटी में चोरी की घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा, अगर किसी के घर में चोरी होती है, तो हम चोर को कोसते हैं, न कि उस पवित्र घर को लांछन लगाते हैं। यह एक छोटा-सा वाक्य उन तमाम शक्तियों को जवाब है, जो मंदिर की गरिमा को एक तुच्छ घटना के जरिए कमतर आंकने की कोशिश कर रही हैं। राम मंदिर का निर्माण कोई साधारण निर्माण कार्य नहीं है। यह पाँच शताब्दियों के संघर्ष, अनगिनत बलिदानों और न्याय के लिए किए गए लंबे इंतजार की परिणति है। राम भक्त जब आज अयोध्या की गलियों में चलते हैं, तो उनके पैरों में उस मिट्टी का गौरव होता है, जिसके लिए उनके पूर्वजों ने अपनी जानें न्योछावर कर दी थीं। अनुपम ने दो टूक कहा, दान चोरी जैसी घटनाओं से मंदिर की पवित्रता कम नहीं हो सकती, क्योंकि राम मंदिर भक्तों के लिए महज ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि उनके अस्तित्व और अस्मिता का केंद्र है। एक चोर की नीच हरकत, जो लोभवश की गई हो, वह उस आस्था को कैसे हिला सकती है, जिसने मुगलों के अत्याचार और सदियों के विध्वंस को झेलने के बाद भी अपनी जड़ों को जीवित रखा? भक्त जानता है कि रामलला का मंदिर उस अखंड भारत की स्मृति है, जिसकी रक्षा के लिए हिंदू समाज हर चुनौती का सामना करने को तत्पर रहता है। अनुपम खेर के कहने का सार यही था कि अयोध्या में दान चोरी को लेकर जिस तरह की सियासी बयानबाजी हो रही है, वह चिंताजनक है। विपक्षी दलों द्वारा इस घटना को मुद्दा बनाकर भाजपा, आरएसएस और साधु-संतों को अपमानित करने का जो प्रयास किया जा रहा है, वह स्पष्ट रूप से असुविधाजनक राजनीति का हिस्सा है। बहरहाल, विपक्ष की यह रणनीति कि मंदिर के बहाने सत्ता पर निशाना साधा जाए, जमीनी हकीकत से कोसों दूर दिखती है। आम हिंदू मानस में यह सवाल उठ रहा है कि क्या विपक्ष को मंदिर की सुरक्षा में हुई चूक पर अफसोस है या वह इस घटना को एक हथियार के रूप में उपयोग करना चाहता है? जब दरगाहों, मदरसों या वक्फ बोर्ड में अनियमितताओं की खबरें आती हैं, तब इसी विपक्ष की चुप्पी यह दशार्ती है कि इनकी धर्मनिरपेक्षता का पैमाना चुनिंदा है। हिंदू समाज इस दोहरे मानदंड को भली-भांति देख और समझ रहा है।

झाड़ू देवी की अखंड साधना !

कहते हैं कि स्वच्छता आधा धर्म है, लेकिन कुछ लोगों ने इसे पूरा धर्म, कर्म, मोक्ष और परलोक,सब कुछ बना दिया है। ऐसे ही एक घर में कुछ दिन मेहमान रहने का अवसर मिला। घर देखकर लगा कि शायद किसी संग्रहालय में आ गया हूं। फर्श ऐसा चमक रहा था कि अपना चेहरा देखकर आदमी अपनी गलतियां स्वीकार कर ले। सोफे इतने सजे-संवरे कि उन पर बैठने का विचार भी अपराध जैसा लगता था।

घर की मालकिन को सफाई से प्रेम नहीं था, बल्कि सफाई ने उन्हें अपना आजीवन बंधक बना रखा था। सुबह आंख खुलते ही उनके हाथ में टूथब्रश नहीं, झाड़ू दिखाई देती थी। चाय बाद में बनती, पहले फर्श का तापमान और धूल का स्तर जांचा जाता। ऐसा लगता था मानो घर में कोई अदृश्य धूल आयोग बैठा हो, जिसकी रिपोर्ट हर घंटे आनी जरूरी हो।

बैठक में बैठने की भूल मैंने पहले ही दिन कर दी। पांच मिनट बाद आदेश आया,"वहां मत बैठिए, कुशन की सिलवटें पड़ जाएंगी।" मैंने सोचा, शायद यह बैठक मनुष्यों के लिए नहीं, केवल मेहमानों की कल्पना के लिए बनाई गई है। पति बेचारे अखबार लेकर बैठक में आए तो उन्हें भी निर्वासित कर दिया गया,"अंदर जाकर पढ़िए, यहां बैठेंगे तो गद्दी खराब हो जाएगी।"

बच्चों की हालत तो किसी प्रतिबंधित क्षेत्र के नागरिकों जैसी थी। बैठक में उनका प्रवेश लगभग वैसा ही था जैसे किसी परमाणु संयंत्र में आम आदमी का। उनके खिलौने अपराध की श्रेणी में आते थे और गंदे जूते राष्ट्रीय संकट माने जाते थे।

मैंने एक दिन साहस करके पूछ ही लिया, "बहनजी, यह सफाई किसके लिए?"

वे बोलीं, "साफ-सुथरा घर ही तो अच्छी गृहस्थी की पहचान है।"

मैंने कहा, "लेकिन इस घर में रह कौन रहा है? पति बाहर, बच्चे बाहर, मेहमान बाहर और आप झाड़ू के साथ भीतर। लगता है घर में सबसे स्थायी सदस्य धूल नहीं, झाड़ू है।"

मेरी बात सुनकर वे मुस्कुरा दीं, लेकिन अगले ही क्षण उनकी नजर पंखे पर पड़ गई। वहां धूल का एक अदृश्य कण शायद उन्हें दिखाई दे गया। बातचीत बीच में छोड़कर वे स्टूल पर चढ़ गईं। उस दिन मुझे समझ में आ गया कि इस घर में संवाद से ज्यादा महत्वपूर्ण धूल के विरुद्ध युद्ध है।

पति ने सोचा कि शायद कामवाली रख देने से पत्नी को आराम मिल जाएगा। एक झाड़ू-पोछा करने वाली महिला रख ली गई। लेकिन आराम कहां! अब देवीजी सुबह उठते ही कामवाली का इंतजार करतीं। पांच मिनट की देरी होते ही उनका रक्तचाप और स्वर–दोनों बढ़ जाते।

कामवाली आते ही उसे झाड़ू थमाई जाती, लेकिन झाड़ू उसके हाथ में होती और संचालन देवीजी के हाथ में। "वह कोना छूट गया... यहां दोबारा पोछा लगाओ... मेज के नीचे देखो... खिड़की की जाली पोंछो... बाल्टी का पानी बदलो... अब फिर से कर लो..."

कामवाली कभी-कभी इतनी देर तक निर्देश सुनती कि झाड़ू लगाने का समय ही कम पड़ जाता। लगता था जैसे वह सफाई कर्मचारी नहीं, किसी सैन्य अभ्यास में शामिल जवान हो।

शाम को भी सफाई का दूसरा चरण शुरू होता। कामवाली ने साफ मना कर दिया कि वह शाम को नहीं आएगी। इसलिए संध्या आरती के स्थान पर फिर झाड़ू आरती प्रारंभ हो जाती। हाथ में झाड़ू, कंधे पर पोछा और चेहरे पर राष्ट्ररक्षा जैसी गंभीरता।

दिन भर घर में एक ही प्रश्न गूंजता रहता,"यह तौलिया यहां किसने रखा?", "गंदे मोजे अंदर कौन लेकर आया?", "यह कप बाहर क्यों रखा है?", "जूते सीध में क्यों नहीं हैं?"

ऐसा लगता था जैसे घर नहीं, किसी अदालत की कार्यवाही चल रही हो और हर वस्तु अपनी निर्दोषता सिद्ध करने में लगी हो।

धीरे-धीरे मुझे एहसास हुआ कि यह सफाई नहीं, सफाई की सनक है। जहां झाड़ू सुविधा का साधन न रहकर जीवन का उद्देश्य बन जाए, वहां धूल से पहले खुशियां गायब हो जाती हैं। घर चमकता जरूर है, लेकिन रिश्तों की हंसी धुंधली पड़ने लगती है।

विडंबना देखिए, जिस बैठक को चमकाने में दिन-रात लगे रहते हैं, वहां कोई बैठता नहीं। जिस फर्श को शीशा बनाया जाता है, उस पर बच्चों के नंगे पैरों की धमाचौकड़ी नहीं होती।

दोबारा लौट रहे लोग लकड़ी की खाट पर

डॉ. सत्यवान सौरभ

एक समय था जब भारतीय घरों, आँगनों, चौपालों और खेतों में लकड़ी की खाट जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करती थी। सुबह की चाय से लेकर रात की नींद तक, खाट केवल एक फर्नीचर नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक जीवन का केंद्र थी। लेकिन जैसे-जैसे आधुनिकता का प्रभाव बढ़ा, शहरीकरण ने गति पकड़ी और बाजार में नए-नए प्रकार के बेड, सोफा-कम-बेड तथा महंगे गद्दे आने लगे, खाट धीरे-धीरे घरों से गायब होने लगी। इसे पुरातन, ग्रामीण और पिछड़ेपन का प्रतीक मान लिया गया। परंतु समय का चक्र एक बार फिर घूम रहा है। आज लोग दोबारा लकड़ी की खाट की ओर लौट रहे हैं। यह वापसी केवल एक पारंपरिक वस्तु की वापसी नहीं है, बल्कि जीवन के प्रति बदलती सोच, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और प्रकृति के साथ संतुलन की तलाश का प्रतीक भी है।

भारतीय समाज में खाट का इतिहास बहुत पुराना है। इसे चारपाई, मंजी या खटिया जैसे नामों से भी जाना जाता है। लकड़ी के मजबूत ढाँचे और रस्सियों या पट्टियों से बुनी हुई यह संरचना सदियों तक भारतीय जीवन का आधार रही। गाँवों में चौपाल की पहचान खाटों से होती थी।

परिवार के बुजुर्ग खाट पर बैठकर निर्णय लेते थे, किसान दिनभर के श्रम के बाद खाट पर विश्राम करते थे और बच्चे उसी पर खेलते-कूदते बड़े होते थे। यह केवल आराम का साधन नहीं थी बल्कि सामाजिक संवाद का मंच भी थी। आज भी ग्रामीण भारत में खाट पर बैठकर होने वाली चर्चाएँ लोकतांत्रिक संवाद की सबसे सहज और स्वाभाविक अभिव्यक्ति मानी जाती हैं।

पिछले कुछ दशकों में जीवनशैली में बड़े बदलाव आए। लोगों ने आधुनिक फर्नीचर को प्रगति और समृद्धि का प्रतीक मान लिया। बड़े-बड़े बेड, मोटे गद्दे और आकर्षक डिजाइन वाले फर्नीचर घरों की आवश्यकता बन गए। विज्ञापनों ने भी लोगों को यह विश्वास दिलाया कि आराम केवल महंगे गद्दों और आधुनिक बिस्तरों में ही संभव है। परिणामस्वरूप खाट धीरे-धीरे घरों से बाहर होती चली गई। लेकिन अब जब लोग स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, बढ़ते तनाव और कृत्रिम जीवनशैली के दुष्प्रभावों का सामना कर रहे हैं, तब वे उन पारंपरिक विकल्पों को नए दृष्टिकोण से देखने लगे हैं जिन्हें कभी उन्होंने स्वयं ही त्याग दिया था।

लकड़ी की खाट की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण स्वास्थ्य संबंधी लाभ हैं। आधुनिक जीवनशैली में कमर दर्द, गर्दन दर्द और रीढ़ से जुड़ी समस्याएँ तेजी से बढ़ी हैं।

बीएचयू के दो पीएचडी शोधार्थियों ने दो स्वस्थ प्रेरित शक्तिशाली स्टेम सेल लाइनों को किया विकसित

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के विज्ञान संस्थान स्थित सेंटर फॉर जेनेटिक डिसऑर्डर्स के शोधकताओं ने स्टेम सेल और जीनोम एडिटिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि हासिल की है।

शोध दल ने टाटा इंस्टीट्यूट फॉर जेनेटिक्स एंड सोसाइटी (टीआईजीएस), बेंगलुरु के सहयोग से दो स्वस्थ प्रेरित बहु-शक्तिशाली स्टेम सेल (इंड्यूस्ड प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल-⁄ढरउ) लाइनें विकसित की हैं। साथ ही अत्याधुनिक

जीनोम एडिटिंग तकनीक की मदद से पार्किंसन रोग और एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस) जैसे गंभीर न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के सटीक प्रयोगशाला मॉडल भी तैयार किए हैं।

यह उपलब्धि बीएचयू के दो

पीएचडी शोधार्थियों सूरजित मालाकार और शैलेयी रॉयचौधरी ने अपने शोधप्रबंध (थीसिस) कार्य के दौरान हासिल की है। इससे भारत में गंभीर तंत्रिका संबंधी रोगों के अध्ययन, उनकी कार्यप्रणाली को समझने और संभावित उपचार विकसित करने की दिशा में नई संभावनाएं खुलेंगी।

यह शोध बीएचयू और टीआईजीएस के बीच हुए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत संपन्न हुआ। संयुक्त परियोजना का नेतृत्व बीएचयू के प्रो. परिमल दास (प्रधान अन्वेषक) और प्रो. (डॉ.) दीपिका जोशी (सह-प्रधान अन्वेषक) ने किया, जबकि टीआईजीएस की ओर से डॉ. वसंत थामोदरन ने सहयोग किया।

प्रो. परिमल दास ने बताया कि इस उपलब्धि की आधारशिला अत्याधुनिक कोशिकीय री-प्रोग्रामिंग तकनीक है। इसके तहत वयस्क मानव कोशिकाओं को 'यामानाका फैक्टर्स' नामक विशेष ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर्स की मदद से उनकी प्रारंभिक भ्रूण-सदृश बहु-शक्तिशाली अवस्था में परिवर्तित किया गया। इस प्रक्रिया से विकसित iPSC लाइनें अनिश्चितकाल तक विभाजित होने के साथ मानव शरीर के लगभग किसी भी ऊतक में विकसित होने की क्षमता रखती हैं।

शोध की सबसे अहम विशेषता यह रही कि वैज्ञानिकों ने इन स्वस्थ ⁄ढरउ लाइनों में तकनीक का उपयोग कर पार्किंसन और एएलएस से जुड़े विशिष्ट आनुवंशिक उत्परिवर्तनों को सम्मिलित किया। इससे प्रयोगशाला में इन रोगों के अत्यंत सटीक मॉडल तैयार किए गए, जिनके माध्यम से रोग के शुरूआती चरणों में होने वाले कोशिकीय परिवर्तनों का अध्ययन संभव हो सकेगा।

शोधकताओं का कहना है कि विकसित स्वस्थ iPSC लाइनें भविष्य के अनुसंधानों के लिए एक महत्वपूर्ण 'कंट्रोल' संसाधन साबित होंगी।

इनके माध्यम से वैज्ञानिक रोगी-विशिष्ट "डिश में रोग" मॉडल विकसित कर सकेंगे, नई दवाओं की प्रभावशीलता और विषाक्तता का मानव परीक्षण से पहले मूल्यांकन कर सकेंगे तथा भविष्य में प्रत्यारोपण योग्य ऊतकों के विकास की दिशा में भी काम आगे बढ़ा सकेंगे।

शोध दल अब इन स्टेम कोशिकाओं की मदद से त्रि-आयामी सूक्ष्म अंग मॉडल (ऑर्गेनॉइड्स) विकसित करने की तैयारी कर रहा है।

ये ऑर्गेनॉइड्स रोगग्रस्त ऊतकों की जीवंत प्रतिकृतियों के रूप में कार्य करेंगे, जिनकी सहायता से वैज्ञानिक वास्तविक समय में रोग की प्रगति का अध्ययन कर सकेंगे और न्यूरोडीजेनेरेशन के आणविक कारणों की बेहतर पहचान कर पाएंगे।

उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 से बुंदेलखंड में नवाचार और उद्यमिता को मिलेगा नया आयाम : आकांक्षा राना

झांसी।
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 को मंजूरी दिए जाने के बाद प्रदेश के साथ-साथ बुंदेलखंड के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई गति मिलने की उम्मीद है। झांसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में नगर आयुक्त आकांक्षा राना ने कहा कि यह नीति नवाचार, उद्यमिता और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इसके माध्यम से स्टार्टअप्स, इनक्यूबेशन सेंटरों और डीप-टेक नवाचारों को व्यापक वित्तीय और तकनीकी सहयोग मिलेगा।

नगर आयुक्त ने बताया कि नई नीति के अंतर्गत स्टार्टअप्स को प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए 20 लाख रुपये तक, सीड फंडिंग के रूप में 30 लाख रुपये तक, पेशेंट कैपिटल के तहत 100 करोड़ रुपये तक तथा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों के लिए 40 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि

बुंदेलखंड के पात्र स्टार्टअप्स को अतिरिक्त सीड फंडिंग और मासिक जीवन-निर्वाह भत्ता भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र के युवा उद्यमियों को अपने नवाचारों को व्यवसाय में बदलने का बेहतर अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि नीति में इनक्यूबेशन सेंटरों को भी विशेष प्रोत्साहन दिया गया है। सामान्य क्षेत्रों के इनक्यूबेटरों को 1.25 करोड़ रुपये तक का पूंजीगत अनुदान तथा बुंदेलखंड एवं पूर्वांचल के इनक्यूबेटरों को 1.50 करोड़ रुपये तक का पूंजीगत अनुदान मिलेगा। इसके अलावा 40 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक परिचालन अनुदान की व्यवस्था की गई है, जिससे स्टार्टअप्स को बेहतर अवसंरचना, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा सकेंगे।

नीति में डीप-टेक नवाचारों को भी विशेष महत्व दिया गया है। इसके तहत प्रदेश में 20 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे, जिनके लिए 12 करोड़ रुपये तक की प्रोत्साहन राशि निर्धारित की गई है। साथ ही डीप-टेक यू-हब की स्थापना तथा 1,000 करोड़ रुपये के स्टार्टअप फंड का गठन किया जाएगा, जिससे शुरूआती चरण के नवाचार आधारित उद्यमों को पूंजी उपलब्ध हो सकेगी।

फ्क्रए इन्क्यूबेशन सेंटर के निदेशक अमित सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 बुंदेलखंड के लिए परिवर्तनकारी साबित होगी।

इससे स्थानीय स्टार्टअप्स और इनक्यूबेशन सेंटरों को अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा तथा झांसी और बुंदेलखंड को देश के अग्रणी स्टार्टअप हब के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

सीएसजेएमयू परिसर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का शुभारंभ, सस्ती जेनेरिक दवाएं होंगी उपलब्ध

कानपुर।
प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के माध्यम से आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण और किफायती दवाएं उपलब्ध होंगी। यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने के साथ जनहितकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह बातें बुधवार को कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहीं।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के 41वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर के मुख्य द्वार के पास प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का शुभारंभ किया गया। स्कूल

ऑफ हेल्थ साइंसेज की ओर से स्थापित इस केंद्र का उद्घाटन कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव राकेश कुमार मिश्रा, वित्त अधिकारी अशोक कुमार त्रिपाठी तथा वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्या डॉ. वंदना पाठक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, इस केंद्र का उद्देश्य आमजन को बाजार मूल्य की तुलना में कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराना है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम वर्गीय परिवारों को सस्ती दवाओं का लाभ मिलेगा।

साथ ही विद्यार्थियों को स्वास्थ्य क्षेत्र की विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी प्राप्त होगी।

सांप ने काटा तो घायल युवक के साथ सांप को भी अस्पताल लेकर पहुंचे ग्रामीण, सब हैरान

फिरोजाबाद।
थाना बसई मोहम्मदपुर क्षेत्र के शंकरपुर गांव में बुधवार को एक युवक को सांप ने डस लिया। परिजन युवक के साथ सांप को भी डिब्बे में बंद कर अस्पताल पहुंचे। जिसे देख हर कोई हैरान रह गया। चिकित्सक ने युवक को भर्ती कर उपचार दिया।

थाना बसई मोहम्मदपुर क्षेत्र के शंकरपुर गांव निवासी रामनिवास

(35) को उसके घर के पास ही किसी सर्प ने काट लिया। रामनिवास दुकान चलाते हैं। इस घटना से परिजनों व ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। परिजन तत्काल युवक को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। वहीं ग्रामीणों ने सावधानी बरतते हुए सांप को पकड़कर एक डिब्बे में बंद कर लिया और पहचान के लिए उसे भी जिला अस्पताल ले आए। अस्पताल में डिब्बे में बंद सांप को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। डिब्बे में भी सांप फन फैलाए बैठा था। यह देख सभी हैरान रह गए। लोगों के मुताबिक सांप कोबरा था जो काफी जहरीला प्रतीत हो रहा है। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने रामनिवास का तत्काल उपचार शुरू किया। समय पर इलाज मिलने से उनकी हालत में सुधार हो रहा है।

चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि सांप के काटने पर झाड़-फूंक के बजाय तुरंत मरीज को अस्पताल पहुंचाएं, ताकि समय पर उपचार मिल सके।

किसानों को मिले उन्नत उड़द के बीज 250 एकड़ में लहलहाएगी फसल

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में खरीफ सीजन में दलहनी फसलों का उत्पादन बढ़ाने और क्षेत्र के किसानों को आधुनिक व वैज्ञानिक खेती से जोड़ने के लिए बुधवार को एक सराहनीय कदम उठाया गया है। बुधवार को युवा कौशल विकास मंडल द्वारा विकासखंड मौदहा के 12 गांवों के 124 चयनित किसानों को पीयू-9 प्रजाति का 20 कुंतल प्रमाणित उड़द बीज पूरी तरह निःशुल्क वितरित किया गया। इस उन्नत बीज से क्षेत्र के लगभग 250 एकड़ भूमि पर बुवाई की जाएगी, जिससे आगामी दिनों में रिकॉर्ड पैदावार की उम्मीद है।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को सिर्फ बीज ही नहीं दिए गए, बल्कि उन्हें उन्नत कृषि तकनीकों से भी लैस किया गया। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को आधुनिक खेती के गुर सिखाते हुए बताया कि गुणवत्तापूर्ण बीज चयन के साथ-साथ कतार विधि से बुवाई करने पर फसल की बढ़त बेहतर होती है। इसके अलावा उन्होंने संतुलित उर्वरक प्रबंधन, समय पर खरपतवार नियंत्रण और रोगों व कीटों से फसल को बचाने के वैज्ञानिक तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी। इस पहल की सबसे खास बात यह है कि फसल चक्र की प्रत्येक अवस्था में संस्था की तकनीकी टीम खेतों का नियमित निरीक्षण करेगी। इसके लिए जीपीएस आधारित निगरानी, फोटो प्रलेखन और वैज्ञानिक मूल्यांकन जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा, ताकि फसल में आने वाली किसी भी समस्या का समय पर समाधान किया जा सके।

गोदाम प्रभारी नरेन्द्र कुमार ने बुधवार को बताया कि परंपरागत ढर्रे को छोड़कर उन्नत बीज और वैज्ञानिक तौर-तरीकों को अपनाकर ही दलहनी फसलों की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है।संस्था के प्रतिनिधि विपिन, राजेश, श्रीचंद्र, दीपराज और हरिओम ने किसानों से अपील की कि वे तकनीक को अपनाएं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संस्था पूरे फसल चक्र के दौरान किसानों को तकनीकी सहयोग देती रहेगी ताकि उनकी लागत कम हो और आय में बढ़ोतरी हो सके। स्थानीय किसानों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे लाभकारी खेती की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम बताया।

नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म मामले में दोषी को 20 वर्ष का कारावास

उरई।
जालौन जिले में वर्ष 2017 में हुई नाबालिग किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में करीब नौ साल बाद अदालत ने अहम फैसला सुनाया है। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट राजीव सिंह की अदालत ने आरोपी हाकिम सिंह को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 18 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। न्यायालय का यह फैसला पीड़िता के लंबे न्यायिक संघर्ष के बाद आया है।

अभियोजन के अनुसार, रामपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव की 16 वर्षीय किशोरी 30 जून 2017 को घर पर अकेली थी। उसके माता-पिता मनरेगा के तहत मजदूरी करने गए हुए थे। इसी दौरान उरई कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बरहा निवासी हाकिम सिंह उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। जब शाम को माता-पिता घर लौटे तो बेटी घर पर नहीं मिली। उन्होंने आसपास और रिश्तेदारों के यहां उसकी तलाश की। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि हाकिम सिंह किशोरी को अपने साथ ले गया है। परिजन लगातार उसकी तलाश करते रहे। घटना के आठ दिन बाद, 8 जुलाई 2017 को आरोपी किशोरी को ऊमरी चौराहे पर छोड़कर फरार हो गया। घर पहुंचने पर किशोरी ने अपने माता-पिता को आपबीती सुनाई और बताया कि आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर रामपुरा थाने में हाकिम सिंह और उसके भाई कल्लू के खिलाफ अपहरण और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की जांच के दौरान न्यायालय में पीड़िता के बयान दर्ज कराए गए, जिसमें उसने आरोपी द्वारा दुष्कर्म किए जाने की पुष्टि की। पुलिस विवेचना के दौरान आरोपी के भाई कल्लू के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले। इसके चलते विवेचक ने उसका नाम आरोप पत्र से हटा दिया। वहीं मुख्य आरोपी हाकिम सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया और 11 जनवरी 2018 को उसके विरुद्ध न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया गया।

बीमारी से परेशान अधेड़ महिला ने जहर खाकर दी जान

हमीरपुर ।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बीमारी से परेशान होकर अवसाद में आई एक अधेड़ महिला ने बुधवार को विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया, जिससे उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और मृतका के इकलौते बेटे का रो-रोकर हाल बेहाल है। महोबा जनपद के खरेला थाना क्षेत्र के ग्राम बसौठ निवासी बेनीप्रसाद यादव ने बताया कि उनकी पत्नी प्रेमा (58) पिछले तीन-चार दिनों से बीमार चल रही थीं।

वाराणसी में गेहूं उद्योग की दो दिवसीय गोष्ठी शुरू, समस्याओं पर चर्चा के साथ उद्यमी होंगे सम्मानित

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में गुरुवार को व्हीट प्रॉडक्ट्स प्रमोशन सोसायटी की ओर से आयोजित दो दिवसीय गोष्ठी का शुभारंभ हुआ। इसमें 81 शहरों से गेहूं उद्योग से जुड़े 350 प्रतिनिधियों और 50 से अधिक वक्ताओं भाग ले रहे हैं। गोष्ठी की शुरूआत करते हुए व्हीट प्रॉडक्ट्स प्रमोशन सोसायटी के अध्यक्ष अजय गोयल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

यूपी आरएफएमए के अध्यक्ष दीपक बजाज ने गोष्ठी के स्वागत सत्र में बताया कि गेहूं के किसानों की समस्या से लेकर गेहूं उत्पाद और उद्यम को लेकर विचार मंथन इस

गोष्ठी में दो दिनों के भीतर होना है। इस गोष्ठी में राज्य सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रविन्द्र जायसवाल सायंकाल उपस्थित रहेंगे और उनके हाथों गेहूं उद्योग के प्रमुख लोगों और किसानों का सम्मान होगा। सेवानिवृत्त आईएएस मनोज सिंह मुख्य अतिथि के रूप में रहेंगे।

व्हीट प्रॉडक्ट्स प्रमोशन सोसायटी के अध्यक्ष अजय गोयल ने कहा कि वाराणसी में आए हुए सभी प्रमुख लोगों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। ये रजिस्ट्रेशन काशी के नाम पर ज्यादा हुआ है। गेहूं से बनने वाली बिस्कुट, ब्रेड, आटा, नूडल्स, पास्ता उद्योग से जुड़े उद्यमियों को यहां आमंत्रित किया गया है। गेहूं उद्योग के क्षेत्र में क्या अच्छा कर सकते हैं, इसको लेकर मंथन होगा। एक बिस्कुट का पैकेट के उद्योग में पूरी चैन है। बिस्कुट बनाने, पैक करने, उसे पहुंचाने में कितने लोग लगते हैं। यह एक बड़ी चैन है। इस गोष्ठी में गेहूं की वैरायटी पर चर्चा होगी। गेहूं की खपत, उत्पाद और वितरण पर भी चर्चा होगी।

तीन-तीन अदालतों से जीत के बाद भी जमीन पर कब्जे का आरोप

गोरखपुर।
गोरखपुर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में हुमायूपुर उत्तरी निवासी अरुण कुमार गुप्ता ने अपनी जमीन पर अवैध कब्जे के प्रयास का गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि दीवानी न्यायालय, जिला न्यायालय और उच्च न्यायालय तीनों स्तर से मुकदमा उनके पक्ष में तय होने के बावजूद विपक्षी पक्ष जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहा है।

अरुण कुमार गुप्ता के अनुसार, उन्होंने 25 नवंबर 1999 को मौजा बसारतपुर, भेड़ियागढ़ स्थित विष्णुपुरम (दिवाकर गली) में आराजी नंबर-5 की 2408 वर्ग

फीट जमीन विधिवत रजिस्ट्री के माध्यम से खरीदी थी। इस जमीन का ताजा राजस्व रिकॉर्ड (इंतखाब) दिनांक 3 जुलाई 2026 भी उनके नाम दर्ज है।

इस भूमि को लेकर ह्यरामसुचित बनाम अरुण कुमार गुप्ताह्न वाद दीवानी न्यायालय में विचाराधीन था, जिसमें अदालत द्वारा अमीन की पैमाइश कराई गई। अमीन की रिपोर्ट के आधार पर 29 अप्रैल 2006 को सिविल जज (सीनियर डिवीजन) ने फैसला अरुण कुमार गुप्ता के पक्ष में दिया। इसके बाद जिला जज न्यायालय में दायर पुनरीक्षण याचिका 15 जुलाई 2006 को खारिज हो गई और फैसला बरकरार रहा। वहीं, 30 जुलाई 2006 को उच्च न्यायालय ने भी निचली अदालत के निर्णय पर मुहर लगा दी।

प्रेस वार्ता में उन्होंने आरोप लगाया कि अदालतों से हारने के बाद विपक्षी पक्ष ने अन्य तरीकों से जमीन हड़पने का प्रयास शुरू किया।

वर्ष 2023 में ओम प्रकाश शर्मा द्वारा विवादित भूमि को दीपेंद्र प्रताप सिंह को कथित रूप से अवैध तरीके से बेच दिया गया, जबकि उनकी 1999 की रजिस्ट्री कानूनी रूप से प्रथम और वैध है।

धान की रोपाई करने जा रहे तीन श्रमिकों को अज्ञात वाहन ने कुचला, मौत

नोएडा।
नोएडा के थाना जेवर क्षेत्र के नीमका गांव के पास आज गुरुवार सुबह को पैदल जा रहे तीन मजदूरों को अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दिया। इस घटना में तीनों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार मृतक धान की खेत की रोपाई करने जा रहे थे।

पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि आज सुबह को करण पुत्र मिथलेश उम्र 24 वर्ष, मिथुन उम्र 25 वर्ष, विश्वजीत पुत्र सतीश उम्र 25 वर्ष नीमका गांव के पास पैदल जा रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें कुचल दिया। इस घटना में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची थाना जेवर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मीडिया प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि तीनों मजदूरी का काम करते थे। तथा सुबह के समय धान रोपाई करने के लिए खेत में जा रहे थे।

समाज के निर्माण की आधारशिला हैं शिक्षक : स्वतंत्र देव सिंह

गोरखपुर।
प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के अंतर्गत कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक एवं अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वाराणसी से संबोधन के सजीव प्रसारण के साथ हुई। इस दौरान प्रदेश भर में 12 लाख शिक्षकों एवं उनके परिवारों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ प्रदान किए जाने की जानकारी

दी गई। साथ ही 1.10 करोड़ विद्यार्थियों को डीबीटी के माध्यम से यूनिफॉर्म, जूता, मोजा, स्वेटर, बैग एवं स्टेशनरी के लिए प्रति छात्र ?1200 की धनराशि हस्तांतरित की गई। इसके अलावा 10 लाख शिक्षक एवं संविदा कर्मियों के सामाजिक सुरक्षा हेतु भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू निष्पादित किया गया तथा राष्ट्रीय स्तर पर चयनित स्वच्छ एवं हरित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया।

सजीव प्रसारण के उपरांत प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जनपद के माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षकों को स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए। साथ ही विद्यार्थियों के अभिभावकों को प्रतीकात्मक चेक एवं कस्तूरबा बालिका विद्यालय की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को अध्ययन सामग्री किट प्रदान की गई।

अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि आज का दिन शिक्षकों के लिए ऐतिहासिक है। यह योजना केवल एक पहल नहीं, बल्कि शिक्षकों के सम्मान और उनके सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण की आधारशिला हैं और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने आगे कहा कि अब शिक्षकों को अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य को लेकर चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि सरकार उनकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इस योजना के माध्यम से उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उनका जीवन और अधिक सुरक्षित एवं सशक्त होगा।

अब एफपीआई फीस का भुगतान अमेरिकी डॉलर नहीं भारतीय रुपए में होगा

-यह बदलाव विदेशी पोर्टफोलियो और विदेशी वेंचर कैपिटल निवेशकों पर लागू होगा

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) नियमों में बदलाव करते हुए शुल्क भुगतान की व्यवस्था को अमेरिकी डॉलर की जगह भारतीय रुपए में कर दिया है। यह बदलाव विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों और विदेशी वेंचर कैपिटल निवेशकों दोनों पर लागू होगा। नए नियम छह महीने बाद प्रभावी होंगे, ताकि विदेशी निवेशकों को नई व्यवस्था अपनाने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। अधिसूचना के मुताबिक एफपीआई नियमों में 1,000 अमेरिकी डॉलर की जगह अब 90,000 रुपए शुल्क तय किया गया है। सेबी ने कैटेगरी-1 एफपीआई और एफवीसीआई के रजिस्ट्रेशन शुल्क को 2,500 डॉलर से बदलकर 2.3 लाख रुपए कर दिया है। इसी तरह देरी से भुगतान और कंटिन्यूएंस फीस में भी संशोधन किया है। भारत में एफपीआई के लेनदेन संभालने वाले डिजिग्नेटेड डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स को रजिस्ट्रेशन मिलने के पांच कार्य दिवस के अंदर यह शुल्क सेबी को जमा कराना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक कम्प्लायंस और ऑपरेशंस को आसान बनाने के लिए एफपीआई रजिस्ट्रेशन के कॉमन एप्लिकेशन फॉर्म में अब जन्म तिथि या कंपनी के गठन की तिथि भी शामिल की जाएगी। इसका मकसद मार्च में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा जारी नई अधिसूचना के बाद पेन आवेदन की प्रक्रिया को आसान बनाना है। सेबी को वित्त वर्ष 2025-26 में एफपीआई और एफवीसीआई से रजिस्ट्रेशन, कंटिन्यूएंस और अन्य शुल्क के रूप में 1.298 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए। इस राशि में जीएसटी भी शामिल है। सेबी ने कहा कि डॉलर में शुल्क लेने के कारण मैनुअल अकाउंटिंग, इनवॉइसिंग और रियल-टाइम अकाउंटिंग में दिक्कतें आती थीं। इससे वित्तीय रिपोर्टिंग में भी देरी होती थी। नई व्यवस्था से इन समस्याओं को कम करने में मदद मिलेगी। सेबी ने कस्टोडियन द्वारा दिए जाने वाले शुल्क की व्यवस्था भी बदल दी है। अब उन्हें सालाना 10 लाख रुपए की जगह हर महीने 85,000 रुपए शुल्क देना होगा। सेबी ने म्युचुअल फंड नियमों में इंट्रा-डे उधारी से जुड़े बदलावों को भी अधिसूचित किया है। नए नियमों के तहत म्युचुअल फंड अब पे-इन और पे-आउट सेटलमेंट के समय के अंतर, एसेट क्लास के भीतर लेनदेन, फॉरेक्स सेटलमेंट और अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए इंट्रा-डे उधार ले सकेंगे। यह सुविधा पहले से उपलब्ध उस व्यवस्था के अतिरिक्त होगी, जिसके तहत म्युचुअल फंड योजनाएं यूनिटधारकों को भुगतान के लिए अपनी नेट एसेट्स के 20फीसदी तक कर्ज ले सकती हैं। सेबी ने साफ कहा है कि एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को दिन खत्म होने से पहले यह उधार चुकाना होगा। अगर ऐसा नहीं होता, तो उसे म्युचुअल फंड नियमों के मुताबिक ओवरनाइट उधारी माना जाएगा।

मोबाइल रिचार्ज में भारी बढ़ोतरी तय, जेब पर पड़ेगा सीधा असर

रिचार्ज प्लान 12 से 15 प्रतिशत तक मंहगे हो सकते

मुंबई।

भारतीय मोबाइल उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगने वाला है। जल्द ही आपके मासिक या वार्षिक रिचार्ज प्लान 12 से 15 प्रतिशत तक महंगे हो सकते हैं, जिससे आपकी जेब पर सीधा बोझ पड़ेगा। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियां रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया अपने औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) में सुधार लाने और 5जी नेटवर्क पर किए बड़े निवेश की भरपाई की तैयारी में हैं। पिछले टैरिफ बढ़ोतरी के झटके से उपभोक्ता अभी उबर भी नहीं सके थे कि यह दूसरी बड़ी वृद्धि सामने आने वाली है।टेलीकॉम विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन से चार महीनों के भीतर यह बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। बाजार में अब केवल 3+1 खिलाड़ी होने के कारण, कंपनियों के लिए कीमतें बढ़ाना आसान हो गया है और प्रतिस्पर्धा का दबाव कम हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आने वाली तिमाही में सभी निजी टेलीकॉम ऑपरेटरों के एआरपीयू में 1-1.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। इसका मुख्य कारण ग्राहकों का 2जी से 4जी और 5जी नेटवर्क पर अपग्रेड होना, पोस्टपेड ग्राहकों की बढ़ती संख्या और डेटा उपयोग में लगातार वृद्धि है।रिलायंस जियो और भारती एयरटेल अपने सब्सक्राइबर मार्केट शेयर में लगातार इजाफा कर रही हैं, जबकि दोनों ही कंपनियाँ देश के 90 प्रतिशत से अधिक जिलों में 5जी सेवाएं शुरू कर चुकी हैं और अपने नेटवर्क में अधिक 5जी डिवाइस जोड़ने पर काम कर रही हैं। वोडाफोन आइडिया भी लगभग 100 शहरों में अपनी 5जी सेवा का विस्तार कर रहा है। डेटा के बढ़ते इस्तेमाल को देखकर टेलीकॉम कंपनियों को लगता है कि कीमतों में बढ़ोतरी का सही समय है।

होर्मुज में फिर तनाव से कच्चे तेल में लगी आग, दुनियाभर के शेयर बाजारों में हड़कंप

-क्रूड ऑयल अचानक 3 फीसदी से ज्यादा की तेजी लेकर 76 डॉलर के पार पहुंचा

नई दिल्ली।

अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता बैठकों को लेकर आ रहे अपडेट्स के बीच दुनिया की 20 फीसदी तेल जरूरत को पूरा करने के लिए जरूरी होर्मुज स्ट्रेट फिर से तनाव की वजह बनता जा रहा है। वजह है अमेरिका का ईरान पर हमला। इन सबके बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में अचानक कच्चे तेल की कीमतों में उथल-पुथल मच गई है और दुनियाभर के शेयर बाजारों में भी हड़कंप मचा है, जो भारतीय शेयर बाजार के लिए निगेटिव संकेत दे रहे हैं। भारतीय स्टॉक मार्केट के लिए प्रमुख संकेतक माना जाने वाला गिफ्ट निफ्टी भी रेड जोन में ट्रेड कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर गहराने लगा है। हॉर्मुज में तीन कॉमर्शियल जहाजों पर ईरान से मिसाइल अटैक के बाद अमेरिकी सेना ने पलटवार किया और ईरान के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर एयरस्ट्राइक की है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार चल रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि ये जबरदस्त हमले उन लोगों को भारी कीमत चुकाने पर मजबूर करेंगे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुद्री रूट में आम नागरिकों वाले कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाकर अटैक किया है। एक बयान में कहा गया कि ये ताजा स्ट्राइक ईरान द्वारा उन तीन कमर्शियल जहाजों पर किए गए हमलों के जवाब में हैं, जो होर्मुज से गुज़र रहे थे और ये सीजफायर का सीधा उल्लंघन था। ईरानी हमलों पर अमेरिकी स्ट्राइक के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अचानक फिर से उछाल आ गया।

चालू माह में मिल रही अल्ट्रोज और टियागो पर विशेष छूट

नई दिल्ली ।

जुलाई महीने में टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय हैचबैक अल्ट्रोज और टियागो पर आकर्षक छूट की घोषणा की है। अल्ट्रोज के रेसर वैरिएंट पर सबसे अधिक 55,000 रुपये तक का डिस्काउंट उपलब्ध है। इसके पेट्रोल और डीज़ल वैरिएंट्स पर 15,000 रुपये का कैश डिस्काउंट और 20,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस मिल रहा है।

वहीं, अल्ट्रोज सीएनजी मॉडल पर इन छूटों के साथ 20,000 रुपये का इंटरवेंशन ऑफर भी दिया जा रहा है। अल्ट्रोज की एक्स-शोरूम कीमतें 6.3 लाख रुपये से 10.65 लाख रुपये के बीच हैं, और यह कई इंजन विकल्पों व उन्नत सुरक्षा फीचर्स जैसे 6 एयरबैग और ईएससी के साथ आती है।

दूसरी ओर, टाटा मोटर्स प्री-फेसलिफ्ट टियागो के बचे हुए स्टॉक पर 35,000 रुपये तक की छूट दे रही है। एक्सई वैरिएंट को छोड़कर, टियागो के पेट्रोल और सीएनजी दोनों मॉडल्स पर 15,000 रुपये का कैश डिस्काउंट, 15,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस और 5,000 रुपये का एक्सचेंज ऑफर मिल रहा है।

बैंकों के लोन में तेजी और मुनाफा भी बढ़ने की उम्मीद, जमा की रफ्तार धीमी

-कवरेज वाले बैंकों का कुल शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर बढ़ सकता है 5 फीसदी

नई दिल्ली।

बैंकों का लोन तेजी से बढ़ रहा है और मुनाफा भी बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन दूसरी तरफ जमा की रफ्तार अभी भी लोन के मुकाबले धीमी है। इसके अलावा ब्याज से होने वाली कमाई पर भी दबाव बना रह सकता है। खासकर प्राइवेट बैंकों में मार्जिन थोड़ा घटने की आशंका है। सरकारी बैंकों में भी कुछ दबाव रहेगा, हालांकि उनकी स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रह सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून तिमाही में उसके कवरेज वाले बैंकों का कुल शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर करीब 5फीसदी बढ़ सकता है। हालांकि पिछली तिमाही के मुकाबले इसमें 8फीसदी की गिरावट आने का अनुमान है।रिपोर्ट के मुताबिक प्राइवेट बैंकों का मुनाफा सालाना आधार पर करीब 11फीसदी बढ़ सकता है। वहीं सरकारी बैंकों का मुनाफा करीब 2फीसदी घटने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि इसमें एक बड़ा कारण बैंक ऑफ बड़ौदा है। रिपोर्ट के मुताबिक यूएई से जुड़े एक कानूनी मामले के निपटारे के लिए बैंक को करीब 5,700 करोड़ रुपए का एकमुश्त प्रावधान करना पड़ सकता है। अगर बैंक ऑफ बड़ौदा को अलग कर दें, तो बाकी सरकारी बैंकों का मुनाफा भी करीब 12फीसदी बढ़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक जून तिमाही में बैंकों की लोन ग्रोथ मजबूत बनी रही। 15 जून तक आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक बैंकिंग सिस्टम में लोन 17.7फीसदी की दर से बढ़े, जबकि डिपॉजिट सिर्फ 12फीसदी बढ़े यानी बैंक तेजी से कर्ज दे रहे हैं, लेकिन उसी रफ्तार से उनके पास जमा नहीं बढ़ रही है।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1,677, निफ्टी 516 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अमेरिका के ईरान पर किये हमलों के बाद दुनिया भर के बाजारों में मची उथल-पुथल से बिकवाली हावी होने और कच्चे तेल की कीमतें फिर बढ़ने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 1,677.12 टूटकर 76,503.60 पर खिसक गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 516.65 अंक की गिरावट के साथ ही 23,882.05 पर फिसल गया। इसके अलावा व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और स्मॉलकैप इंडेक्स में में भी काफी गिरावट दर्ज की गई। वहीं क्षेत्रवार देखें तो सभी प्रमुख सूचकांक गिरावट पर हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी बैंक का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। पीएसयू बैंकों के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट आई, इसके अलावा निफ्टी बैंक , निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी) और निफ्टी मीडिया में भी गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी ऑटो, निफ्टी फार्मा,निफ्टी और निफ्टी इंफ्रास्ट्रक्चर में भी गिरावट रही।

निफ्टी के सबसे ज्यादा गिरावट वाले शेयरों में जियो फाइनेंशियल, इंटरग्लोब एविएशन, श्रीराम फाइनेंस, मारुति सुजुकी और एचयूएल शामिल रहे, जबकि ओएनजीसी और बजाज ऑटो, हिंडाल्को और कोल इंडिया के शेयर उछले।

इस बिकवाली में बीएसई-सूचीबद्ध शेयरों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 8 लाख करोड़ से ज्यादा की गिरावट आई। गत दिवस बीएसई-सूचीबद्ध शेयरों का बाजार मूल्यांकन 480.20 लाख करोड़ रुपए था, जो अब घटकर 471.44 करोड़ रुपए हो गया है। इस प्रकार एक ही दिन में निवेशकों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। गौरतलब है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ युद्धविराम समाप्त हो गया है जिसके बाद से ही निवेशकों ने बाजार से दूरी बना ली है।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 625 अंक फिसलकर 77,555.52 के निचले स्तर तक खुला जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 गिरकर 24,207.20 के स्तर तक रहा।

तीन महीनों में खत्म होगी 53 कंपनियों के प्री-लिस्टिंग शेयरधारक लॉक-इन

-जिन शेयरों के लॉक-इन खत्म हो रहे हैं, उनकी वैल्यू 11 अरब डॉलर

नई दिल्ली।

नुवामा इंस्टिट्यूशनल इक्विटीज के विश्लेषण के मुताबिक जुलाई से सितंबर के बीच कुल 53 कंपनियों के प्री-लिस्टिंग शेयरधारक लॉक-इन हटाए जाने हैं, जिन शेयरों के लॉक-इन खत्म हो रहे हैं, उनकी वैल्यू 11 अरब डॉलर है। हालांकि ये सभी शेयर, बाजार में नहीं आएंगे क्योंकि प्रवर्तक और प्रवर्तक समूहों के पास भी इनका एक बड़ा हिस्सा है। कुछ शेयरों के लिए एक महीने का लॉक-इन खत्म हो रहा है और कुछ अन्य के लिए तीन या छह महीने का लॉक-इन खत्म होने वाला है, जिन शेयरों का एक महीने का लॉक-इन खत्म हो रहा है, उनमें सीएमआर ग्रीन टेक्नॉलजीज, टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस, वॉटरवेज लीजर टूरिज्म, हेक्सागन न्यूट्रिशन, एडवाइट ज्वेल्स और सीएसएम टेक्नॉलजीज शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इन सभी शेयरों का तीन महीने का लॉक-इन सितंबर तक खत्म हो जाएगा। इनके अलावा, ओम पावर ट्रांसमिशन और ऑनईएमआई टेक्नॉलजी सॉल्यूशंस ऐसी कंपनियां हैं, जिनका तीन महीने का लॉक-इन पीरियड सितंबर के आखिर से पहले खत्म हो जाएगा। भारत कोकिंग कोल, शैडोफैक्स टेक्नॉलजीज और आय फाइनैंस उन फर्मों में शामिल हैं, जिनका छह महीने का लॉक-इन खत्म होने वाला है।

जानकारों का कहना है कि आईपीओ लॉक-इन की समयसीमा खत्म होने से द्वि तीयक बाजार में शेयरों की संख्या में तेजी नहीं आती है क्योंकि संस्थागत निवेशकों और प्राइवेट इक्विटी फंड आम तौर पर खुले बाजार में सीधे शेयर बेचने के बजाय बातचीत के जरिये नियोजन या ब्लॉक ट्रेड के जरिये अपना निवेश निकालने की योजना बनाते हैं। स्वतंत्र इक्विटी विश्लेषक ने कहा कि अक्सर लेनदेन खास तरीके से तय या नियोजित किए जाते हैं। ब्रोकर, मर्चेंट बैंकर और खुद कंपनी भी इच्छुक खरीदारों को खोजने में मदद करते हैं ताकि ज्यादा उथल-पुथल के बिना शेयर बिक जाएं।

सोने और चांदी के भावों में आई नरमी

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को नरमी आई है। कीमती धातुओं में ये गिरावट डॉलर में मजबूती और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की जून बैठक के मिनट्स जारी होने से पहले निवेशकों की सतर्कता से आई है। इससे सोने-चांदी की कीमतें गिरी हैं। दुनिया भर के साथ ही घरेलू बाजारों में भी कीमतें नीचे आयी हैं। आज कॉमेक्स पर सोना 4,100 डॉलर प्रति औंस से नीचे आया। वहीं चांदी भी 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक खिसकी। घरेलू मार्केट मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज भी फिसला है। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव 1,44,950 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,29,300 रुपये के करीब रहे। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत में भी कमी आई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 192 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,45,200 रुपये के भाव पर खुला जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,45,392 रुपये था। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचे थे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 842 रुपये की गिरावट के साथ 2,30,015 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,30,857 रुपये था। चांदी का वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर तक पहुंचा।

सरकार ने ईवी वाहन में लगे सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों का ऑडिट के दिए निर्देश

-यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन हैकिंग की चिंताओं के मद्देनजर उठाया गया

नई दिल्ली।

सरकार ने वाहन विनिर्माताओं और वाहन कलपुर्जा बनाने वाली कंपनियों को कनेक्टेड कारों और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में लगे वाहन प्रबंधन सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों का व्यापक ऑडिट करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने बताया कि यह निर्देश यात्री और वाणिज्यिक दोनों वाहन श्रेणियों पर लागू होगा।

यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन हैकिंग की चिंताओं के मद्देनजर ऐपल और गूगल को तीन ऐप हटाने का निर्देश दिए जाने के बाद उठाया गया है। भारी उद्योग मंत्रालय ने वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम और वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं के संगठन एक्मा को लिखे पत्र में कंपनियों से अपने बैटरी संचार इंटरफेस का ऑडिट करने और असुरक्षित डिफॉल्ट सेटिंग, कमजोर प्रमाणीकरण या असुरक्षित ओवर-द-एयर विकल्पों को खत्म करने का आग्रह किया है।

बिज़नेस स्टैंडर्ड ने भी इस पत्र को देखा है। उसके मुताबिक भारी उद्योग मंत्रालय ने यह भी कहा कि वाहन विनिर्माताओं को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कारखाना स्तर पर बेहतर और दमदार साइबर सुरक्षा डिजाइन प्रोटोकॉल स्थापित करने चाहिए। पत्र में हैकिंग की घटनाओं को सुरक्षा के लिए एक गंभीर चिंता बताया है जिस पर तत्काल ध्यान देने की जरुरत है। सूत्र ने बताया कि सरकार की मुख्य चिंता कनेक्टेड कारों के लिए है।

कल्ट फिट ने आईपीओ के लिए सेबी के पास जमा किए दस्तावेज, 950 करोड़ जुटाने की तैयारी

नई दिल्ली।

फिटनेस और वेलनेस कंपनी कल्ट फिट ने आईपीओ के लिए बाजार नियामक सेबी के पास कागजात जमा कर दिए हैं। इस आईपीओ से कंपनी 950 करोड़ रुपए तक की नई पूंजी जुटा सकती है। कंपनी भारत में हेल्थ और वेलनेस सेवाओं की बढ़ती मांग का लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। इस ऑफर में नए शेयर जारी करना और मौजूदा निवेशकों की बिक्री पेशकश शामिल है। मामले के जानकार लोगों का मानना है कि आईपीओ का कुल आकार करीब 4,000 करोड़ रुपए तक हो सकता है। टेमासेक, फिटनेस फर्स्ट लक्जमबर्ग, चिराटे वेंचर्स, टाटा डिजिटल, एक्सेल इंडिया, कलारी कैपिटल और श्रोडर्स कैपिटल जैसे मौजूदा निवेशक ओएफएस में करीब 17.86 करोड़ शेयर बेचने की योजना बना रहे हैं। हर इक्विटी शेयर की फेस वैल्यू 1 रुपए है। इस आईपीओ में सह-संस्थापक मुकेश बंसल, एंजेल निवेशक ब्रूनो रैशल और अभिनेता ऋतिक रोशन भी अपने शेयर बेच रहे हैं। शेयर बेचने वालों में एशियन पेंट्स की प्रमोटर कंपनी डोली ट्रेडिंग ऐंड इन्वेस्टमेंट्स, हॉस्पिटैलिटी कंपनी सन एन सैंड होटल्स, एंडिया पार्टनर्स के संस्थापक सतीश अंद्रा, मिंत्रा के पूर्व सीईओ अनंत नारायणन का फैमिली ट्रस्ट और अभिनेता ऋतिक रोशन की निवेश कंपनी एक्सट्रीम ब्रांड्स भी शामिल हैं। कल्ट डॉट फिट में मैकरिची इन्वेस्टमेंट्स सबसे बड़ी शेयरधारक है, जिसके पास 20.3 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी इस पैसे का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और अपने कल्ट एलीट और कल्ट नियो फिटनेस सेंटरों को बढ़ाने के लिए करेगी। वह नए कल्टस्पोर्ट रिटेल आउटलेटों में भी निवेश करेगी, लीज से जुड़े पेमेंट करेगी, मार्केटिंग और ब्रांड प्रमोशन पर खर्च बढ़ाएगी और सामान्य कॉरपोरेट कार्यों में इसका इस्तेमाल करेगी। 31 मार्च 2026 तक कल्ट फिट भारत का सबसे बड़ा फिटनेस और ऐक्टिव-लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म था। इसके 77 शहरों में 708 फिटनेस सेंटर थे। 2025-26 में कंपनी के करीब 9,87,000 फिटनेस सदस्य थे जो पैसे देकर सेवाएं लेते हैं।

फैब्रिक्स कंपनी कुसुमगर का 650 करोड़ रुपए का खुला आईपीओ

-आईपीओ खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में इसके शेयरों की मांग मजबूत

नई दिल्ली।

इंजीनियर्ड फैब्रिक्स बनाने वाली कंपनी कुसुमगर का बहुप्रतीक्षित इनिशियल पब्लिक ऑफर बुधवार 8 जुलाई से निवेशकों के लिए खुल गया है। कंपनी इस सार्वजनिक निर्गम के जरिए 650 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। हालांकि, यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है, इसलिए इस आईपीओ से मिलने वाली रकम कंपनी के पास नहीं जाएगी, बल्कि प्रमोटर शेयरधारकों को मिलेगी। आईपीओ खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में इसके शेयरों की मजबूत मांग है। ऐसे में कई निवेशकों के मन में सवाल है कि क्या इस आईपीओ में निवेश करना सही रहेगा या नहीं।

रिपोर्ट के मुताबिक कुसुमगर का आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल पर आधारित है। इसके तहत प्रमोटर करीब 1.55 करोड़ इक्विटी शेयर बेच रहे हैं। कंपनी इस इश्यू के जरिए कोई नए शेयर जारी नहीं कर रही है। आईपीओ का प्राइस बैंड 398 रुपए से 419 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। एक लॉट में 35 शेयर शामिल हैं यानी खुदरा निवेशकों को कम से कम 14,665 का निवेश करना होगा। वहीं अधिकतम 13 लॉट के लिए करीब 1,90,645 का निवेश करना पड़ेगा।

आईपीओ खुलने से पहले कुसुमगर के अनलिस्टेड शेयर ग्रे मार्केट में मजबूत प्रीमियम पर कारोबार कर रहे हैं। बाजार सूत्रों के मुताबिक शेयर करीब 590 के भाव पर ट्रेड कर रहे हैं। यह आईपीओ के ऊपरी प्राइस बैंड 419 रुपए के मुकाबले 171 रुपए प्रति शेयर या करीब 40.81 फीसदी का ग्रे मार्केट प्रीमियम दर्शाता है। हालांकि, निवेशकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि ग्रे मार्केट प्रीमियम केवल बाजार की धारणा को दर्शाता है। इसे लिस्टिंग या भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।कुसुमगर आईपीओ में निवेश करने की आखिरी तारीख 10 जुलाई है। शेयरों का आवंटन 13 जुलाई को हो सकता है। सफल निवेशकों के डिमैट खाते में शेयर 14 जुलाई तक पहुंच सकते हैं। वहीं, कंपनी के शेयरों की 15 जुलाई को शेयर बाजार में लिस्टिंग होने की उम्मीद है। चूंकि यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल है, इसलिए आईपीओ से जुटाई गई राशि कंपनी के कारोबार में इस्तेमाल नहीं होगी। कंपनी ने अपने रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में स्पष्ट किया है कि इश्यू से मिलने वाली पूरी रकम संबंधित प्रमोटर शेयरधारकों को जाएगी।

अमेरिका के ईरान पर हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आया उछाल

-ईरान ने हमलों को समझौते का उल्लंघन बताते हुए जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी

नई दिल्ली।

होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यावसायिक जहाजों पर हुए हमलों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। अमेरिका ने मंगलवार को ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए और साथ ही ईरान को अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल बेचने की दी गई अस्थायी छूट वापस ले ली है।

इन घटनाओं ने पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए युद्धविराम पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई युद्धविराम के उल्लंघन और समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गतिविधियों के जवाब में की गई। वहीं ईरान ने इन कदमों को समझौते का उल्लंघन बताते हुए जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है।मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी गई है कि हमलों में ईरान की एयर डिफेंस सिस्टम, तटीय निगरानी प्रणाली, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च साइट्स को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक्स पर कहा कि ईरान की आक्रामक कार्रवाई न केवल अनुचित और खतरनाक थी, बल्कि यह युद्धविराम का स्पष्ट उल्लंघन भी थी। ईरानी मीडिया के मुताबिक दक्षिणी शहर सीरिक, क़ेश्म द्वीप और बंदर अब्बास में कई विस्फोट हुए। एक व्यावसायिक बंदरगाह पर प्रोजेक्टाइल गिरने से कुछ लोग घायल हुए, जबकि मछली पकड़ने वाली कई नौकाओं में आग लग गई। हालांकि, किसी नागरिक की मौत की पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिका ने ईरान को तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के निर्यात की जो अस्थायी अनुमति दी थी उसे भी रद्द कर दिया है।

पेरिस एफसी ने पूर्व चेल्सी कोच लियाम रोसेन्योर को हेड कोच नियुक्त किया

पेरिस। पूर्व चेल्सी हेड कोच लियाम रोसेन्योर को पेरिस एफसी ने अपनी पुरुष टीम का नया मैनेजर नियुक्त किया है। कुछ महीनों पहले प्रीमियर लीग ने उन्हें पद से हटाया था, जिसके बाद इंग्लिश कोच को यह जिम्मेदारी मिली है। लीग 1 की इस टीम ने मंगलवार को पुष्टि की है कि 41 वर्षीय रोसेन्योर ने जून 2028 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। वे आधिकारिक तौर पर 9 जुलाई से काम शुरू करेंगे, जब टीम प्री–सीजन ट्रेनिंग के लिए लौटेगी। रोसेन्योर, एंटोनी कोम्बोउरे की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीजन में क्लब को 11वें स्थान पर पहुंचाने से पहले लीग 1 में बने रहने में मदद की थी। दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद, क्लब ने कोम्बोउरे के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का फैसला किया, क्योंकि वह एक नया अध्याय शुरू करना

चाहता है। अप्रैल में चेल्सी में अपने छोटे से कार्यकाल के खत्म होने के बाद रोसेन्योर फुटबॉल मैनेजमेंट में वापसी कर रहे हैं। पूर्व डिफेंडर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर चार महीने से भी कम समय तक रहे और फिर क्लब से अलग हो गए।

पेरिस एफसी ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को तैयार करने और फुटबॉल का एक महत्वाकांक्षी, आक्रामक शैली अपनाने के लिए रोसेन्योर की ख्याति ने उन्हें क्लब को अगले चरण में ले जाने के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाया। क्लब ने एक बयान में कहा, '41 वर्षीय लियाम रोसेन्योर के पास पहले से ही उच्चतम स्तर का काफी अनुभव है। युवा प्रतिभाओं को निखारने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले लियाम रोसेन्योर, पेरिस एफसी की विचारधारा और स्पोर्टिंग प्रोजेक्ट के लिए एकदम सही हैं। महत्वाकांक्षी, आकर्षक और आक्रामक फुटबॉल के प्रति उनका नजरिया क्लब की भविष्य की महत्वाकांक्षाओं से मेल खाता है।' पेरिस एफसी के स्पोर्टिंग डायरेक्टर मार्को नेपे ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए रोसेन्योर को एक आधुनिक कोच बताया जो खिलाड़ियों और टीम दोनों को विकसित करने में सक्षम हैं। नेपे ने कहा, 'लियाम रोसेन्योर में वे सभी गुण हैं जिनकी हमें तलाश थी।

जिम्बाब्वे दौरे और एशियन गेम्स में गौतम गंभीर नहीं होंगे भारत के कोच

वीवीएस लक्ष्मण संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे के बाद जिम्बाब्वे दौरे पर 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस दौरे के लिए सोमवार (6 जुलाई) को श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम का ऐलान हुआ है। इसके बाद भारतीय टीम को एशियन गेम्स में खेलने है। खबर है कि जिम्बाब्वे दौरे और एशियन गेम्स में भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर नहीं होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड वीवीएस लक्ष्मण यह जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के लॉग रिकॉर्ड के अनुसार जुलाई के अंत में जिम्बाब्वे दौरे और सितंबर में एशियन गेम्स के लिए कोचिंग स्टाफ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से होगा। वीवीएस लक्ष्मण के सपोर्ट

स्टाफ की अगुआई करने की उम्मीद है। सीओई में उनके साथी कोच सुनील जोशी और ऋषिकेश कानिटकर के भी उनके साथ जुड़ने की संभावना है।

एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज सीरीज में टकराव

यह व्यवस्था खास तौर पर इसलिए जरूरी है क्योंकि जापान के नागोया में होने वाले एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की घरेलू सीरीज में टकराव होना है। इससे पहले सितंबर के बीच में भारत में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी। इत्तेफाक से अफगानिस्तान उस सीरीज का मेजबान होगा। जिम्बाब्वे दौरे के योजना के मुताबिक, भारतीय टीम के कुछ सदस्य 19 जुलाई को हरारे पहुंचेंगे।

जिम्बाब्वे में 3 मैचों की सीरीज– बाकी खिलाड़ी 19 जुलाई को लॉर्ड्स में तीसरे और आखिरी वनडे के बाद 20 जुलाई को टीम से जुड़ेंगे। टीम 20 से 22 जुलाई तक और फिर 24 जुलाई को आराम करेगी और ट्रेनिंग करेगी।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की हार जारी

● इंग्लैंड ने टीम इंडिया को किया 76 पर ढेर

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने भारत को 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच मैच में 125 रनों से हरा दिया और 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। नॉटिंघम के ट्रेंटब्रिज में मंगलवार (7 जुलाई) को भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। फिल सॉल्ट ने अर्धशतक जड़ा। भारत के लिए प्रिंस यादव ने अच्छी गेंदबाजी की। 2 विकेट झटके। इसके जवाब में भारत 11.4 ओवर में 76 रन पर ढेर हो गया।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और जोश टंग ने जबरदस्त गेंदबाजी की। जोफ्रा आर्चर (3 ओवर में 3/29) और जोश टंग (4 ओवर में 4/28) ने पावरप्ले में जबरदस्त आक्रामकता के साथ गेंदबाजी की। जब भारत का स्कोर पांच ओवर में 5 विकेट पर 52 रन हो गया, तभी मैच का नतीजा लगभग तय हो गया था।

सबसे बुरी बात यह रही कि यह हाल के समय में भारत के सबसे खराब बल्लेबाजी प्रदर्शनों में से एक था, जिसमें खराब शॉट चयन और लड़ने का जज्बा न होना साफ दिखा। बाकी का समय बस औपचारिकता भर था। पावरप्ले के दौरान शिवम दुबे से पहले नंबर 7 पर हर्षित राणा जैसे 'हिट-एंड-मिस' वाले खिलाड़ी को भेजने पर कई लोगों ने हैरानी भी जताई।

वैभव सूर्यवंशी ने फिर दो छक्के लगाए (एक जोफ्रा आर्चर और एक जोश टंग की गेंद पर) लेकिन उनकी 13 रन की पारी सिर्फ पांच गेंदों में खत्म हो गई। उनके दाहिने कंधे पर आए एक तेज बाउंसर पर उन्होंने हुक शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे जोस बटलर के दस्तानों में चली गई। इससे वैभव सूर्यवंशी को यह अहसास हो गया कि इंटरनेशनल क्रिकेट हमेशा बच्चों का खेल नहीं होता।

अभिषेक शर्मा डीप एक्स्ट्रा कवर पर कैच आउट हो गए। यह वही इलाका है जहां वह पहले भी कई बार आउट हो चुके हैं। इशान किशन ने हुक करके एक छक्का तो लगाया, लेकिन जल्द ही आउट हो गए। श्रेयस अय्यर ने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर फ्लिक करने की कोशिश की और स्क्वायर के पीछे खड़े फील्डर के हाथों में गेंद मार बैठे। अक्षर पटेल को शॉर्ट बॉल की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें फुलर लेंथ मिली और उसका किनारा लगकर गेंद स्टंप्स के पीछे चली गई।

भारत की सबसे बड़ी हार

दूसरे सबसे कम स्कोर पर आउट

पावरप्ले में पहली बार गंवाए 5 विकेट

भारतीय टीम का हार का सिलसिला जारी

- 125 रन से इंग्लैंड ने हराया, ट्रेंटब्रिज, 2026
- 80 रन से न्यूजीलैंड ने हराया, वेलिंगटन, 2019
- 76 रन से साउथ अफ्रीका ने हराया, अहमदाबाद, 2026
- 51 रन से साउथ अफ्रीका ने हराया, मुल्लनपुर, 2025
- 50 रन से न्यूजीलैंड ने हराया, विशाखापत्तनम, 2026

(ऊपर दिए गए पांच में से चार दिसंबर 2025 के बाद आए हैं)

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम का हार का सिलसिला जारी है। इंग्लैंड ने 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में मंगलवार (7 जुलाई) को 125 रनों से हरा दिया। यह भारतीय टीम की सबसे बड़ी हार है। वह टी20 इंटरनेशनल में पहली बार 100 से ज्यादा रन से हारी। टॉस हारकर इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 11.4 ओवर में 76 रन पर आउट हो गई। यह भारत का सबसे न्यूनतम स्कोर है। भारतीय टीम ने पावरप्ले में 5 विकेट गंवा दिए। छठे ओवर में ही हर्षित राणा बल्लेबाजी के लिए आ गए। पहली बार ऐसा हुआ कि भारतीय टीम ने पावरप्ले में 5 विकेट गंवाए। वर्ल्ड चैंपियन भारतीय टीम को टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद 5 मैचों से जीत का इंतजार है। उसने 4 मैच गंवाए हैं और 1 मैच बेनतीजा रहा है। भारत ने जीत के लिए कभी इतना लंबा इंतजार नहीं किया।

0–2 से पिछड़ने के बाद अर्जेंटीना की शानदार वापसी

11 मिनट में पलटी बाजी, मेसी बने संकटमोचक

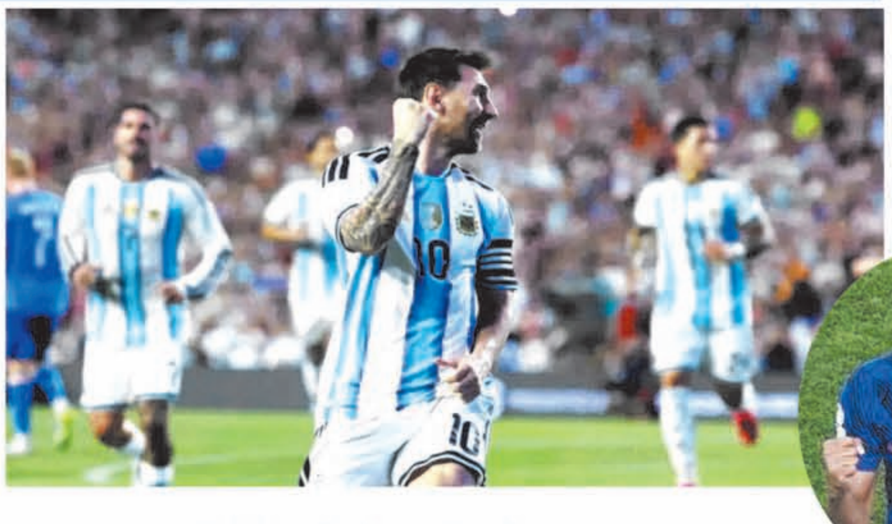

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी ने एक बार फिर अर्जेंटीना के लिये 'संकटमोचक' की भूमिका निभाई और मिस्र के खिलाफ 79वें मिनट तक 2 गोल से पिछड़ रही मौजूदा चैम्पियन टीम को 3-2 से जीत के साथ विश्व कप क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया। निर्धारित समय में 11 मिनट बाकी रहने तक अर्जेंटीना दो गोल से पिछड़ रहा था और ऐसा लगने लगा था कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद मेसी की फुटबॉल के महासमर से विदाई का समय आ गया है। इसके बाद अर्जेंटीना ने चमत्कारिक वापसी करते हुए तीन गोल दागकर जीत दर्ज की और दुनिया भर में उसके करोड़ों प्रशंसकों ने भी राहत की सांस ली। इसमें से बराबरी का गोल 83वें मिनट में छठा विश्व कप खेल रहे मेसी ने दागा था जिनके अब विश्व कप कैरियर में 21 गोल हो गए हैं। अब अर्जेंटीना का सामना शनिवार (11 जुलाई) को कंसास सिटी में स्विटजरलैंड या कोलंबिया से होगा।

मेसी अपने आंसू नहीं रोक सके

आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी अपने आंसू नहीं रोक सके। उन्होंने 83वें मिनट में इस विश्व कप में आठवां गोल करके टीम को 2-2 से बराबरी पर पहुंचाया। विजयी गोल स्टॉपेज टाइम में एंजो फर्नांडिस ने दागा। वहीं क्रिस्टियन रोमेरो ने 79वें मिनट में अर्जेंटीना के लिये पहला गोल किया था।

मेसी पेनल्टी को गोल में नहीं बदल पाए

मिस्र ने यासिर इब्राहिम और मुस्तफा जिको के गोल के दम पर 2-0 से बढ़त बना ली थी। मेसी को पहले हाफ में मौका मिला था, लेकिन उनकी पेनल्टी किक को मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबीर ने बचा लिया था। फिर जब स्कोर 1-0 था, तब उनका शॉट गोलपोस्ट से टकरा गया। अर्जेंटीना की नजरें लगातार दूसरी बार खिताब जीतने वाली ब्राजील (1958 और 1962) के बाद पहली टीम बनने पर है।

15वें मिनट में मिस्र ने बढ़त बना ली– मैच से पहले अर्जेंटीना को प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन 15वें मिनट में मिस्र ने बढ़त बना ली जब लिसांद्रो मार्तिनेज को चकमा देकर इब्राहिम ने मारवान आतिया के क्रॉस पर गोल दाग दिया। अर्जेंटीना को तुरंत पेनल्टी स्पॉट के साथ बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेसी के शॉट को शोबीर ने बायीं ओर डाइव लगाकर बचा लिया।

एम्बाप्पे के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी की जांच शुरू

पराग्वे के सांसद ने परवरिश का उड़ाया मजाक

नई दिल्ली। विश्व कप में फ्रांस के हाथों पराग्वे की हार के बाद पराग्वे के एक सांसद द्वारा कीलियन एम्बाप्पे के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार किये जाने के मामले में फ्रांस के अभियोजकों ने गंभीर सार्वजनिक अपमान और नफरत या हिंसा भड़काने के आरोपों में जांच शुरू कर दी है। फ्रांस के अभियोजकों के कार्यालय ने मंगलवार (7 जून) को बताया कि आनलाइन घृणा से निपटने वाली राष्ट्रीय ईकाई को फ्रेंच फुटबॉल महासंघ से शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू की गई है। पराग्वे की लिबरल रेडिकल पार्टी की सीनेटर सेलेस्टी अमारिला ने एक्स पर नस्लीय टिप्पणी की थी। इससे पहले एम्बाप्पे के गोल के दम पर फ्रांस ने पराग्वे को हराया था। अमारिला ने फ्रांस के कप्तान के मूल, परवरिश, शिक्षा और चेहरे मोहरे का मजाक बनाया था। फ्रांस क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है जहां उसका सामना मोरक्को से होगा। एम्बाप्पे ने उन्हें 'घिनौनी महिला' करार देते हुए कहा था कि वह पराग्वे की कांग्रेस में सेवा के लायक नहीं हैं।

अमारिला ने पत्र जारी किया

बाद में अमारिला ने सोशल मीडिया पर एम्बाप्पे के लिए फ्रेंच और स्पेनिश भाषा में एक खुला पत्र जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि उनकी समस्या खिलाड़ी से थी, न कि फ्रांस देश से।

अभिषेक नंबर 1

वैभव टॉप-10 से बाहर

भारत-इंग्लैंड तीसरे टी20 के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष-15 खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारत-इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में भारत को बेशक टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में रन के लिहाज से सबसे बड़ी हार मिली हो, बेशक इस मैच में भारतीय बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह से लड़खड़ा गई हो, लेकिन इस मुकाबले के बाद अगर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-15 बल्लेबाजों की बात करें तो अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर हैं।

वहीं इस टी20 सीरीज के दूसरे मैच में डेब्यू करने वाले वैभव सूर्यवंशी टॉप-10 से बाहर हैं।

भारत-इंग्लैंड तीसरे टी20 मैच के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक की मदद से 112 रन बनाए हैं जबकि दूसरे नंबर पर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक के साथ अब तक कुल 110 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के बैटर जैकब बेथेल इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक के साथ 89 रन बनाए हैं। वैभव सूर्यवंशी इस लिस्ट में टॉप-10 से बाहर हैं। वैभव ने 2 मैचों में 27 रन बनाकर 12वें नंबर पर हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: देश का मान बढ़ाने टीम इंडिया ग्लास्गो रवाना

नई दिल्ली। भारत फिर दुनिया के सबसे बड़े खेल मंचों में से एक पर अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार है। देश के खिलाड़ी अब स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तिरंगे का मान बढ़ाने उतरेंगे। इस मौके पर भारतीय ओलंपिक संघ ने मंगलवार सात जुलाई 2026 को खिलाड़ियों और अधिकारियों के दल को भव्य विदाई दी। साथ ही उन आधिकारिक सेरेमोनियल और प्रतियोगिता किट का भी अनावरण किया, जिसे भारतीय खिलाड़ी ग्लास्गो में पहनेंगे। इस समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा, भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन और केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह मौजूद रहे। खिलाड़ियों, कोचों, सहयोगी स्टाफ और अन्य पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, ''हमारे खिलाड़ी नए भारत की खेल प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और आकांक्षाओं के प्रतीक हैं। मैं

खिलाड़ियों की भव्य विदाई, नई किट भी लॉन्च

सभी खिलाड़ियों से कहना चाहता हूं कि वे बिना किसी डर के खेलें, खेल भावना का सम्मान करें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।''

23 जुलाई से होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के बारे में मनसुख मांडविया ने कहा, ''ग्लास्गो में हमारे सर्वश्रेष्ठ खेलों में से दस नहीं है, लेकिन खेल तो खेल है। हमें यकीन है कि हमारे खिलाड़ी पूरे उत्साह से खेलेंगे और देश को गौरवान्वित करके विश्व खेल जगत में भारत की छवि और मजबूत करेंगे।'' कार्यक्रम में खेल सचिव हरि रंजन राव, भारतीय दल के चीफ-डि-मिशन रोहित राजपाल और डिप्टी चीफ-डि-मिशन रवि बंगानी भी मौजूद रहे। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, ''आज भारतीय खेलों के लिए एक नए गौरवशाली अध्याय की शुरुआत है। भारत की जर्सी पहनने वाले हर खिलाड़ी ने वर्षों की मेहनत, अनुशासन और त्याग के दम पर यह मौका हासिल किया है।

खेलों में मेजबान के तौर पर बढ़ रही भारत की साख: मनसुख मांडविया

इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने वैश्विक खेल समुदाय में भारत के बढ़ते कद की बानगी इससे मिलती है कि भारत में होने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की संख्या बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ अर्से में कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी की है, जिसमें विश्व चैंपियनशिप भी शामिल है।

मनुसख मांडविया ने कहा, ''खेल आगे बढ़ रहा है। यही वजह है कि भारत पर दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है। एक समय वह भी था जब महासंघ विश्व और अंतरराष्ट्रीय महासंघों से भारत में एशियाई खेल, एशियाई चैंपियनशिपस, विश्व चैंपियनशिप के आयोजन के लिए कहते थे लेकिन उन्हें भारत के सामर्थ्य पर संदेह रहता था।''

मधुमेह है डायबिटिक रेटिनोपैथी का मुख्य कारण

जीवनशैली से जुड़ी कई बीमारियां हमें अपनी चपेट में ले रही है। मधुमेह भी ऐसी ही एक बीमारी है, जो लोगों को अपने शिकंजे में ले रही है। हमारे हृदय और लीवर को मधुमेह के कारण कितना नुकसान पहुंचता है, यह तो हम अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि हमारी आंखों की रोशनी के लिए भी कि मधुमेह उतना ही नुकसानदायक है। मधुमेह होने कि वजह से आंखों का एक गंभीर रोग पैदा हो सकता है, जिसे चिकत्सकों की भाषा में डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। डायबिटिक रेटिनोपैथी होने से अगर आंखों की दृष्टि चली गई तो उसे वापस नहीं लाया जा सकता है।

ऐसे होती है डायबिटिक रेटिनोपैथी

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन के अनुसार डायबिटिक रेटिनोपैथी एक हल्की बीमारी के रूप में शुरू होती है। बीमारी के शुरुआती चरण के दौरान रेटिना में छोटी रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं और यह छोटे बुल्गेस को विकसित करती है जिसे माइक्रोएनिअरीसम्स कहते है। इस बीमारी में रक्त में शुगर की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आंखों सहित पूरे शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। रक्त में मधुमेह अधिक बढ़ने से रेटिना में रक्त वाहिकाओं को नुकसान होता है, जिसके कारण डायबिटिक रेटिनोपैथी हो सकती है। इस बीमारी से रेटिना के ऊतकों में सूजन हो सकती है, जिससे दृष्टि धुंधली होती है। जिस व्यक्ति को लंबे समय से मधुमेह होता है, उसे डायबिटिक रेटिनोपैथी होने की संभावना उतनी ही अधिक हो जाती है। इतन ही नहीं डायबिटिक रेटिनोपैथी का इलाज नहीं कराने पर यह अंधेपन का कारण भी बन सकती है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी के लक्षण

- आंखों का बार-बार संक्रमित होना।
- चश्मे के नंबर बार-बार बदलना।
- सुबह उठने के बाद कम दिखाई देना।
- सिर में हमेशा दर्द रहना।
- आंखों की रोशनी अचानक कम हो जाना।
- रंग को पहचानने में कठिनाई।

डायबिटिक रेटिनोपैथी का उपचार

डायबिटिक रेटिनोपैथी के रोगियों का इलाज कैसे किया जा सकता है, इस पर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन कहते हैं कि समस्या से निजात पाने के लिए लेजर उपचार का प्रयोग किया जाता है, इस उपचार विधि के दौरान रेटिना के पीछे की नई रक्त वाहिकाओं के विकास के इलाज के लिए और आंखों में रक्त और द्रव के रिसाव को रोकने के लिए किया जाता है। इलाज प्रक्रिया के दौरान आंखों को सुन्न करने और पुतलियों को बड़ा करने के लिए विशेष रूप की आई ड्रॉप डाली जाती है, इसके बाद आंखों का लेजर किरणों से इलाज किया जाता है। इलाज के दौरान लगभग 30.40 मिनट लगते हैं। इसमें आम तौर पर दृष्टि का धुंधला होना और प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता का बढ़ जाना जैसे कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं। **इंजेक्शन से उपचार:** डायबिटिक रेटिनोपैथी से निजात पाने के दूसरे तरीके में आंखों में इंफ्लामेशन को कम करने या आंखों के पीछे नयी रक्त वाहिकाओं को बनने से रोकने के लिए आंखों में ल्यूसेंटिस, अवास्टिन जैसे इंजेक्शन लगाए जाते है। इंजेक्शन आम तौर पर एक महीने में एक बार लगाया जाता है और एक बार जब दृष्टि स्थिर हो जाती है तो इंजेक्शन लगाना बंद कर दिया जाता है। इलाज की इस विधि में जलन या बेचैनी आंखों के अंदर रक्तस्राव आंखों में खुजली, आंखों में कुछ तैरने या आंखों में कुछ होने का अहसास हो सकता हैं। **सर्जरी से उपचार:** लेजर और इंजेक्शन उपचकर की विधि से जब इलाज संभव नहीं होता है तो विट्रेक्टॅमी नामक सर्जरी से इलाज किया जाता है, जो इसके इलाज के लिए एक कारगर तरीका है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी से ऐसे करें बचाव

आंखों पर मधुमेह के अधिक बढ़ने से प्रभाव शुरू हो जाता है, इसलिए इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि मधुमेह का पता लगते ही ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ने से रोकें। इसके लिए डॉक्टर के बताए नुस्खों का पालन करें और दवाएं लेते रहें। इसके अलावा डायबिटीज होने पर आपको साल में एक-दो बार आंखों की जांच करानी चाहिए, जिससे आंखों पर अगर किसी तरह का प्रभाव शुरू हो जाए, तो उसका समय पर इलाज किया जा सके। आपको अगर डायबिटीज बहुत समय से हैं तो आपको हर 3 महीने में आंखों की जांच करानी चाहिए।

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- अरहर दाल: 1 कप ■ लाल मिर्च- 2
- छोटा प्याज (छिला हुआ): 1 कप
- कटे हुए टमाटर: 2
- इमली का गूदा: 4 चम्मच
- सांबर पाउडर- 1 चम्मच
- नमक: स्वा के अनुसार ■ सरसों: 1 चम्मच
- हींग: चुटकी भर ■ करी पत्ता: 6
- बारीक कटी धनिया पत्ती: 4 चम्मच

विधि

अरहर दाल को धोकर दस मिनट के लिए भिगो दें। दाल को कुकर में दो कप पानी के साथ डालें और तीन से चार सीटी लगाएं। जब दाल पक जाए तो उसे अच्छी तरह से मैश कर दें। अब कुकर में टमाटर, इमली का गूदा, सांबर पाउडर, नमक और एक चौथाई कप पानी डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। अब दाल और इमली के मिश्रण को एक बड़े पैन में डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। एक छोटे पैन में एक चम्मच तेल गर्म करें और छौंक की सभी सामग्री डालें। एक मिनट बाद इस छौंक को तैयार सांबर में डाल दें। अब सांबर वाले पैन को गैस पर चढ़ाएं। एक उबाल आने के बाद आंच धीमी कर दें और मध्यम आंच पर पांच मिनट तक उबालें। अगर सांबर गाड़ा है तो उसमें थोड़ा-सा पानी मिलाएं और उबालें। नमक चख लें। धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।

आलू कुल्चा

सामग्री

■ मैदा: 2 कप ■ चीनी: 1 चम्मच ■ बेकिंग सोडा: 1/4 चम्मच ■ गाढ़ा दही: 1/4 कप ■ तेल: 2 चम्मच ■ गुनगुना पानी: गूंदने के लिए भरावन के लिए ■ उबले आलू: 2 ■ कटी मिर्च: 1 ■ कश्मीरी लाल मिर्च: 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला: 1/4 चम्मच ■ अदरक: 1 चम्मच ■ अमचूर: 1/4 चम्मच ■ अजवाइन: 1/4 चम्मच ■ नमक: स्वादानुसार ■ काले तिल: 2 चम्मच ■ हरा धनिया चम्मच ■ बेकिंग पाउडर: 1 चम्मच ■ बटर- 2 चम्मच

विधि

मैदा, चीनी, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, नमक और दही को एक बरतन में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। गुनगुने पानी की मदद से मैदा को गूंद लें। गीले सूती कपड़े से ढककर दो घंटे के लिए छोड़ दें। एक बाउल में मैश किया आलू और भरावन की सभी साम्रगी डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। गूंदे हुए मैदे से लोई काटें। उसके बीच में हल्का गड्ढा-सा करें और उसमें थोड़ा-सा आलू वाला मिश्रण डालें। लोई को सील करें। लोई के ऊपर थोड़ा-सा तिल और धनिया पत्ती डालें और हल्के हाथों से लोई को अंडाकार आकार में बेल लें। तवा गर्म करें। कुल्चे में एक ओर से ब्रश की मदद से पानी लगाएं और कुल्चे को गर्म तवे में चिपका दें। एक मिनट बाद तवा को पलट दें और कुल्चे को सीधे आग से सुनहरा होने तक पकाएं। कुल्चे के ऊपर हल्का-सा बटर लगाएं और सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु (ये यो भा भी भू): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3942

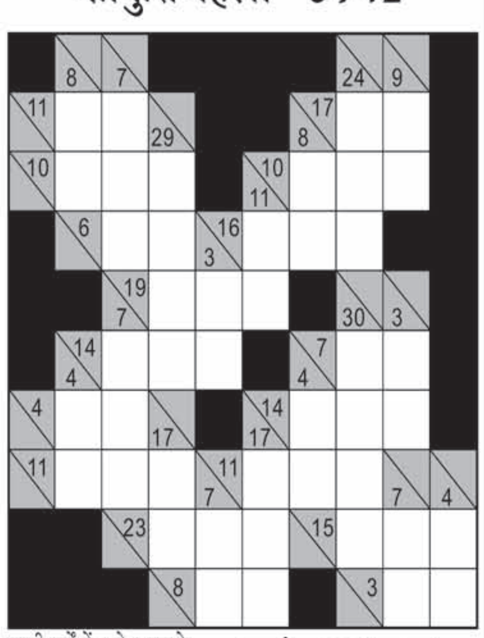

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

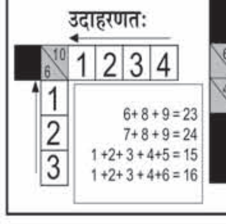

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3941 का हल

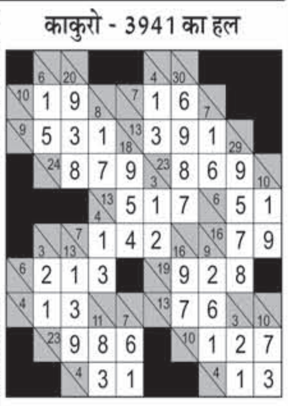

हंसी के फूव्वारें

'यार, एक बात समझ में नहीं आई,तुमने अपनी फर्म के लिए विकलाँग खजांची का चुनाव क्यों किया?' पहले मित्र ने जानना चाहा.

'ताकि फरार होने पर वह जल्द से जल्द पकड़ा जा सके.'दूसरे मित्र ने कारण बताया.

□ □ □

द्वार पर बहुत देर तक दस्तक पड़ने के कारण पति महोदय की नींद खुली,तो पत्नी को जगाते हुए बोली,'सुनती हो, बहुत देर से कोई हमारे द्वार पर दस्तक दे रहा है.'

'ओह ! तो तुम घर पर ही हो.' पत्नी उनींदे स्वर में बोली,'मैं तो यह सोचकर निश्चित थी कि द्वार पर तुम खड़े चिल्ला रहे हो.'

□ □ □

'मेरी घरवाली मेरे सिवा किसी और मर्द की ओर देखना तक पसंद नहीं करती.' पहले दोस्त ने बताया.

'पर यह बात आपको कैसे मालूम हुई ?'दूसरे दोस्त ने जानना चाहा.

'ऐसे कि कल जब मेरी घरवाली का एक परिचित घर आया, तो वह उसे देखती ही बोली, दफा हो जाओ मेरी नजरों से हमेशा के लिए. अब मैं तुम्हारा चेहरा तक देखना पसंद नहीं करती.' पहला मित्र बोला.

फिल्म वर्ग पहेली- 3942

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3941

सूडोकु -3942

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3941 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली -3942

बाएँ से दाएँ

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे

1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -3941 का हल

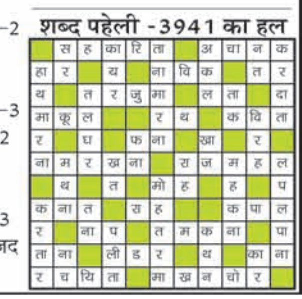

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी